पटना में 2 नवंबर को मोदी का रोड शो

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 302 | रायपुर | रविवार 02 नवंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

324 करोड़ की लागत से बना 51 एकड़ में फैला परिसर : प्रधानमंत्री मोदी ने किया लोकार्पण

संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक है छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन

रायपुर लोकशक्ति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज शनिवार को छत्तीसगढ़ के नये अत्याधुनिक और भव्य विधानसभा भवन का लोकार्पण किया। यह भवन केवल एक खूबसूरत इमारत ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक भी है। 'धान का कटोरा' कहलाने वाले छत्तीसगढ़ की पहचान को इस भवन की वास्तुकला में बखूबी पिरोया गया है। विधानसभा के सदन की सीलिंग पर धान की बालियों और पत्तियों को उकेरा गया है, जो प्रदेश की कृषि-प्रधान संस्कृति का प्रतीक है। भवन के ज्यादातर दरवाजे और फर्नीचर बस्तर के पारंपरिक काष्ठ शिल्पियों द्वारा बनाए गए हैं। इस तरह नया विधानसभा भवन आधुनिकता और परंपरा का एक जीवंत संगम बन गया है।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक भवन – नए विधानसभा भवन को वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह पूरी तरह सर्वसुविधायुक्त और सुसज्जित भवन है, जिसके सदन को 200 सदस्यों तक के बैठने के लिए विस्तारित किया जा सकता है। पेपरलेस विधानसभा संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी सुविधाओं का समावेश भी किया गया है, जिससे यह भवन 'स्मार्ट विधानसभा' के रूप में विकसित होगा।

कुल 51 एकड़ में फैले इस परिसर का निर्माण 324 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। भवन को तीन मुख्य हिस्सों—विंग-ए, विंग-बी और विंग-सी—में विभाजित किया गया है। विंग-ए में विधानसभा का सचिवालय, विंग-बी में सदन, सेंट्रल हॉल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय, तथा विंग-सी में मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं।

500 सीटर ऑडिटोरियम और 100 सीटर सेंट्रल हॉल – विधानसभा भवन में 500 दर्शक क्षमता वाला अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और 100 सीटर सेंट्रल हॉल बनाया गया है। भवन की वास्तुकला आधुनिकता और पारंपरिक शैलियों का उत्कृष्ट मेल है।

हरित तकनीक से निर्मित पर्यावरण अनुकूल भवन – यह भवन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल और हरित निर्माण तकनीक से बनाया गया है। परिसर में सोलर प्लांट की स्थापना के साथ वर्षा जल संचयन हेतु दो सरोवर भी बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, भवन में पर्यावरण-संरक्षण के सभी मानकों का पालन किया गया है। **तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक** – छत्तीसगढ़ की संस्कृति और शिल्प से सजे-संवरे इस नए विधानसभा भवन में राज्य के तीन करोड़ नागरिकों की उम्मीदें, आकांक्षाएं और आत्मगौरव साकार होता दिखेगा। यह भवन न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था का, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान, प्रगति और परंपरा का प्रतीक भी बनेगा।

राज्योत्सव के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का भी अनावरण किया।

पीएम ने संगहालय भवन का लोकार्पण करने के बाद पौधा लगाया।

'पीएम ने खुली छूट दी थी, 100 किमी अंदर घुसकर मारा': आर्मी चीफ

एजेंसी।

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीएम मोदी ने उन्हें खुली छूट दी थी। ऐसे में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सीमा के 100 किलोमीटर अंदर जाकर कार्रवाई की। मध्य प्रदेश के रीवा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दुश्मन पर विजय प्राप्त करने के अलावा, ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य संप्रभुता, अखंडता और शांति की पुनः स्थापना करना था। यह प्रधानमंत्री ही थे, जिन्होंने कहा था कि इसका नाम ऑपरेशन सिंदूर होगा। जब भी कोई बेटी, मां या बहन अपने माथे पर सिंदूर लगाती है, तो दुआएं देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर खड़े सैनिक के लिए जाती हैं। टीआरएस कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आत्मविश्वास और शांति बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, ÷दूसरों पर और खुद पर विश्वास बहुत जरूरी है। तीनों सेनाओं के प्रमुखों को मिलकर काम करना था। तीनों सेनाओं के प्रमुख शांत रहे। वे हमेशा मुस्कुराते हुए नजर आए। हमारी शांति ने देश के लोगों को विश्वास दिलाया कि वे सुरक्षित हाथों में हैं।÷

पीएम मोदी ने किया जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन

रायपुर (संवाददाता)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इस दौरान राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन किया।यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर अटल नगर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया।

ज़्इस परियोजना में छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों के साथ ओडिशा और कोलकाता के कलाकारों ने भी योगदान दिया है, जिससे इसकी प्रस्तुति राष्ट्रीय स्तर की बन गई है। संग्रहालय में कुल 16 गैलरी बनाई गई हैं। इन्हें छत्तीसगढ़ के उन सभी आदिवासी नायकों और आंदोलनों की कहानी को समर्पित किया गया है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां आदिवासी जनजीवन, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को नई तकनीक के माध्यम से दिखाया गया है। रायपुर में यह देश का पहला डिजिटल संग्रहालय। संग्रहालय में लगे विशेष कैमरों की मदद से आगंतुकों को 'आदिवासी अनुभव' कराया जाएगा। जैसे ही कोई व्यक्ति कैमरे के सामने आएगा, उसकी वेशभूषा और रूप स्क्रीन पर पारंपरिक आदिवासी परिधान में बदल जाएगा।

14 गैलरी में 650 मूर्तियाँ

अब तक 14 गैलरी तैयार हो चुकी हैं, जिनमें 650 से अधिक मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं। इनमें झंडा सत्याग्रह, जंगल सत्याग्रह जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है।

इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

इंडिगो की फ्लाइट जेद्दाह से हैदराबाद आ रही थी। इसी बीच बम की धमकी मिली। ऐसे में मुंबई में ही विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि, जांच के दौरान विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बम की धमकी मिलने पर 7.32 बजे एटीसी ने फ्लाइट संख्या 6E068 के लिए इमरजेंसी का ऐलान किया। यह विमान 320 नियो था। विमान के मुंबई पहुंचने का समय 8.7 बजे था, लेकिन इसे बदलकर 8.20 किया गया। इस दौरान फायर बिग्रेड समेत पूरी तैयारी की गई। 8.17 बजे विमान की लैंडिंग हुई। जांच पूरी होने के बाद 12 बजे तक सभी टीमों को वापस भेज दिया गया।

सिवान में जेपी नड्डा ने RJD पर बोला हमला, बोले-

लालू और राबड़ी शासन बिहार का 'काला युग'

एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजद पर हमला बोलते हुए लालू-राबड़ी के शासन को बिहार के लिए 'काला युग' बताया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की राह पकड़ी है। नड्डा ने लोगों से एनडीए को वोट देने की अपील की और कहा कि यह जनादेश राज्य को विकास की ओर ले जाएगा।

नड्डा ने राजद शासन को 'काला युग' कहा – एजेंसी, सिवान। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के कार्यकाल को बिहार के लिए 'काला युग' बताया। नड्डा ने सीवान में एक जनसभा को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में राज्य को हर मोर्चे पर असफलताओं का सामना करना पड़ा और मतदाताओं से निरंतर प्रगति और स्थिरता के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 1990 से 2005 तक, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी का शासन बिहार के लिए एक काला युग था। इस दौरान बिहार को हर तरह का नुकसान हुआ। लेकिन नीतीश कुमार के 20 साल और प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के नेतृत्व में बिहार ने अपनी विकास यात्रा को पटरी पर आते देखा है।

प्रदेश | 14 हजार करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

मोदी ने सौंपी कई सौगातें, कहा- छत्तीसगढ़ की स्वर्णिम शुरुआत का दिन

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के रजत महोत्सव में प्रदेश को सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया. पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से उनका गहरा नाता है. उन्होंने कार्यकर्ता के रूप में यहां समय बिताया और राज्य के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त किया. छत्तीसगढ़ के परिवर्तन का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला. प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों को बधाई दी और कहा कि 2025 भारतीय गणतंत्र का अमृत वर्ष है. उन्होंने संविधान निर्माण में योगदान देने वाले महान विभूतियों का सम्मान किया. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए उन्होंने कहा कि अटल जी का सपना साकार हो रहा है और छत्तीसगढ़ विकास की नई इबारत लिख रहा है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ÷साल 2000 में जब अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया, तो वो निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं था. वो निर्णय विकास की नई राह खोलने का था. वो निर्णय छत्तीसगढ़ की आत्मा को पहचान दिलाने का था. इसलिए आज जब इस भव्य विधानसभा के साथ-साथ अटल जी की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ है, तो मन कह उठता है, अटल जी जहां भी हों, अटल जी देखिए, आपका सपना साकार हो रहा है.÷ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर राज्य की 25 वर्ष की यात्रा को रेखांकित करते हुए एक 'नए युग' के सूर्योदय की घोषणा की. अपने उद्बोधन की शुरुआत छत्तीसगढ़ी भाषा में करते हुए, पीएम मोदी ने 25 साल पहले अटल जी की सरकार द्वारा बोए गए विकास के बीज की सराहना की, जो अब एक 'वटवृक्ष' बन चुका है।

छत्तीसगढ़ के विधान सभा का नया भवन लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है: लोकसभा अध्यक्ष

हमारे विधानमंडल ऐसी संस्थायें हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और जनता के विश्वास एवं भरोसे का प्रतीक हैं: लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ने विधान सभा के नये भवन के उद्घाटन पर छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी

रायपुर, लोकशक्ति।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज रायपुर में छत्तीसगढ़ विधान सभा के नए भवन का उद्घाटन किया, जो राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस नवीन भवन का उद्घाटन समारोह राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने इस समारोह में भाग लिया और छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधानमंडल ऐसी संस्थाएँ हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और नागरिकों की आस्था एवं आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन संस्थाओं में होने वाली चर्चाओं और विचार-विमर्श की गुणवत्ता ही लोकतंत्र की मज़बूती और शासन की सफलता का निर्धारण करती है। श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि विधान सभा का नया भवन राज्य में समावेशी विकास और सुशासन को बढ़ावा देगा और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के विज़न को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नए भवन का उद्घाटन देश भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विधान सभा का नया परिसर आधुनिक वास्तुकला के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और उन्नत डिजिटल अवसंरचना सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। श्री बिरला ने कहा कि इससे विधायकों को लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और नीति निर्माण एवं लोक कल्याण में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देने का अवसर मिलेगा।

श्री बिरला ने गरिमा, संवाद और लोकतांत्रिक व्यवहार की उच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए भवन में ये परंपराएँ और सुदृढ़ होंगी, और यह भवन लोकतांत्रिक आदर्शों का जीवंत केंद्र बनेगा एवं जनप्रतिनिधियों को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय; छत्तीसगढ़ विधान सभा के अध्यक्ष, डॉ. रमन सिंह; संसद सदस्यगण, मंत्रीगण, विधायकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

चीन ने हटाई रोक : भारत को फिर मिलने लगे रेयर अर्थ मैगनेट्स, ईवी उद्योग में आई रफ्तार

बीजिंग एजेंसी

छह महीने की रोक के बाद चीन ने भारत को भारी रेयर अर्थ मैगनेट्स की सप्लाई दोबारा शुरू कर दी है। इन शक्तिशाली चुम्बकों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योगों में किया जाता है। सप्लाई बहाल होने से भारतीय कंपनियों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इन चुम्बकों की कमी के कारण कई उत्पादन योजनाएं प्रभावित हो गई थीं। चीन इस बाजार पर दुनिया भर में लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण रखता है, इसलिए उसकी किसी भी रोक का असर वैश्विक उद्योग पर पड़ता है। अब जब बीजिंग ने निर्यात दोबारा शुरू किया है, तो उम्मीद की जा रही है कि भारत के ईवी और तकनीकी क्षेत्र को फिर से गति मिलेगी। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, यह राहत बिना शर्तों के नहीं आई है। चीन ने स्पष्ट किया है कि भारत को मिलने वाले इन रेयर अर्थ मैगनेट्स को अमेरिका को दोबारा निर्यात नहीं किया जा सकेगा और न ही इनका उपयोग किसी सैन्य या रक्षा उद्देश्य के लिए किया जाएगा। बीजिंग ने भारत से यह गारंटी मांगी है कि यह सामग्री केवल घरेलू जरूरतों के लिए ही इस्तेमाल होगी। इस कदम के पीछे चीन और अमेरिका के बीच चल रहा व्यापारिक तनाव माना जा रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों देशों ने तनाव कम करने पर सहमति जताई थी।

एसपी धमतरी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी 2025 का हुआ आयोजन

मुख्यालय समेत सभी अनुभागों, थानों के स्तर पर किया गया आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर जिले में एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना का सशक्त संदेश

धमतरी। धमतरी पुलिस द्वारा आयोजित 'रन फॉर यूनिटी - 2025' में जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, विद्यार्थियों एवं नागरिकों की भारी संख्या में उत्साहपूर्ण सहभागिता। राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर 2025) के अवसर पर पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में आज सुबह जिले भर में रन फॉर यूनिटी - 2025 का भव्य आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं आंतरिक सुरक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का विवरणः

जिला मुख्यालय में दौड़ का शुभारंभ प्रातः 07:00 बजे जनपद तिराहा धमतरी से हुआ, जो पुलिस लाइन धमतरी में जाकर समाप्त हुई।

इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना साहू, जनपद सदस्य अनीता यादव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं आम नागरिक उपस्थित थे। दौड़ प्रारंभ होने से पूर्व सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिज्ञा ली तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वृक्षारोपण एवं जागरूकता गतिविधियाँ :

दौड़ के उपरांत पुलिस लाइन धमतरी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही नशामुक्ति, सायबर सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता के संबंध में लगाई गई प्रदर्शनी पोस्टरों का अवलोकन कराया गया। इस दौरान अधिकारियों ने युवाओं को जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रेरक संदेश दिए। इसके पश्चात रूद्री चौक के समीप स्वच्छता अभियान चलाकर पुलिस जवानों एवं नागरिकों द्वारा सड़क किनारे सफाई की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारत के प्रधानमंत्री जी के आगामी कार्यक्रम में ड्यूटीरत होने से स्क्क धमतरी ने रायपुर से ही सभी जिलेवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनायें प्रेषित करते हुए आह्वान किया है कि वे एकजुट होकर देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखें तथा भाईचारे और सद्भावना के इस संदेश को आगे बढ़ाएं।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम :

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय धमतरी सहित जिले के सभी थाना, चौकी, रक्षित केंद्र एवं इकाइयों में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

असामयिक वर्षा/ओलावृष्टि से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतें

धमतरी । मौसम विभाग द्वारा जिले में आगामी दिनों में असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में खेतों में रखे गए कटाई उपरांत धान की करपा को जलभराव से नुकसान होने की आशंका बनी रहती है। इसको दृष्टिगत रखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी उपज की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतें।कृषि विभाग ने बताया कि किसान भाई मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर ही फसल कटाई का कार्य करें। कटाई उपरांत धान की करपा को खेत के मेड़ों पर या खरही बनाकर सुरक्षित स्थान पर रखें, जिससे वर्षा के पानी से फसल को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। साथ ही यह भी अवगत कराया गया है कि धान की खड़ी फसल को अत्यधिक वर्षा से होने वाला नुकसान बीमा आवरण में सम्मिलित नहीं है, अतः किसान फसल की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। यदि किसी किसान की कटाई उपरांत रखी गई फसल असामयिक वर्षा या ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त होती है, तो किसान को बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 1800-419-0344 पर क्षति होने के 72 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से सूचना देनी होगी। साथ ही संबंधित कृषि या राजस्व विभाग के मैदानी अमले एवं बैंक शाखा को भी लिखित सूचना देना आवश्यक है, ताकि क्षति का मौके पर मूल्यांकन कर शासन के प्रावधानों के अनुरूप समय पर बीमा दावा प्रक्रिया पूरी की जा सके।कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे प्राकृतिक आपदा की स्थिति में घबराएँ नहीं, बल्कि सावधानी और सतर्कता के साथ अपनी फसलों की सुरक्षा करें एवं आवश्यक सूचना निर्धारित समय में उपलब्ध कराकर बीमा सुरक्षा का लाभ प्राप्त करें।

भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा, यह केवल धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन की प्रतीक है - रंजना

ग्राम डांगीमाचा स्थित आशा गौ सेवा केन्द्र गौशाला में गोपाष्टमी पर्व का हुआ भव्य आयोजन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना डीपेन्द्र साहू हुई शामिल, गौमाता की पूजा-अर्चना कर लिए आशीर्वाद लिया

धमतरी । ग्राम डांगीमाचा स्थित आशा गौ सेवा केन्द्र गौशाला में गुरुवार को गोपाष्टमी पर्व बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू उपस्थित रहीं। श्रीमती रंजना साहू ने गौशाला पहुंचकर गौमाता की विधिवत पूजा-अर्चना की और उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ आरती में भाग लिया। उन्होंने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, कृषि और अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं, भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था सदैव गौ आधारित रही है, इसलिए गौसंवर्धन केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दायित्व भी है। अपने उद्बोधन में श्रीमती साहू ने कहा कि हमारी संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, यह केवल धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन की प्रतीक है, गौसेवा से आत्मिक शांति, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण तीनों का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार गौसंरक्षण और ग्रामीण विकास को समर्पित है। श्रीमती साहू ने महिलाओं से आग्रह किया कि वे भी गौसेवा और स्वच्छता अभियान से जुड़ें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को संस्कार और संवेदना से जोड़ने वाला समाज निर्मित हो सके। श्रीमती रंजना साहू ने गौशाला संचालिका श्रीमती गोदावरी साहू को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनका यह प्रयास ग्रामीण समाज में सेवा और समर्पण की प्रेरणा बन रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, गौभक्त एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गौशाला परिसर गौमाता की जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री हेमंत चंद्राकर ने कहा कि गौसेवा हमारे संस्कार और संस्कृति का जीवंत प्रतीक है, भाजपा सरकार गौसंवर्धन और संरक्षण हेतु कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आग्रह किया कि वे गौसेवा में सहयोग देकर सनातन परंपराओं को जीवित रखें। वहीं रांवा मंडल भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष भेष कुमार साहू ने कहा कि गौसेवा से व्यक्ति का चरित्र और समाज की चेतना दोनों मजबूत होती हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गौसंरक्षण को जनआंदोलन बनाएं और भारतीय संस्कृति के संवाहक बनें। कार्यक्रम के अंत में गौमाता को विशेष प्रसाद अर्पित किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को गौचरण प्रसाद वितरित किया गया।

किसान भाई फसल बीमा का लाभ उठाएं, क्षति होने पर तत्काल करें सूचना

धमतरी। जिले में मौसम में आए अचानक बदलाव को देखते हुए असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसे में कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि वे फसल कटाई का कार्य मौसम की स्थिति को देखते हुए ही करें। खेतों में कटाई के बाद रखे गए धान के करपा को सुरक्षित स्थान पर (मेड़ों पर या खरही जमाकर) रखें, ताकि वर्षा के पानी से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा कहा कि धान की खड़ी फसल में अत्यधिक वर्षा से होने वाली क्षति बीमा कवरेज के अंतर्गत नहीं आती, परंतु कटाई उपरांत रखी फसल 14 दिनों तक फसल बीमा के दायरे में आती है। यदि किसी किसान की फसल कटाई के बाद असामयिक वर्षा या ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त होती है, तो किसान भाई बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 1800-419-0344 या 14447 पर क्षति होने के 72 घंटे के भीतर सूचना देना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। इसके साथ ही किसान संबंधित कृषि या राजस्व विभाग के मैदानी अमले तथा बैंक शाखा को भी लिखित में सूचना दें, ताकि खेतों का मौके पर निरीक्षण कर नुकसान का सही आकलन किया जा सके और शासन के प्रावधानों के अनुसार बीमा क्षतिपूर्ति की कार्यवाही समय पर की जा सके।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि किसान फसल बीमा योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और समय पर जानकारी देकर अपनी मेहनत की फसल को सुरक्षित रखें।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सद्भावना दौड़ का भव्य आयोजन

जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामय रही उपस्थित

कबीरधाम । शहीदों की कुर्बानियां को याद कर, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारा को सशक्त बनाए रखने संदेश देते हुए लगाये दौड़।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज जिला कबीरधाम में सद्भावना दौड़ का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के कुशल नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले के सम्माननीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधीश गोपाल वर्मा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से सद्भावना दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मोतीराम चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संतोष पटेल, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय आशीष शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक अजाक प्रतीक चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक महेश्वर सिंह, रक्षित निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शहरवासी तथा स्वामी विवेकानंद अकादमी में प्रशिक्षणरत युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की। सद्भावना दौड़ शहर के प्रमुख मार्गों एवं प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए पुनः पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचकर संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारा को सशक्त संदेश देते हुए उत्कृष्ट अनुशासन एवं जोश का प्रदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें राष्ट्र की अखंडता, सुरक्षा एवं सामूहिक एकजुटता के मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। पुलिस विभाग सदैव समाज में समरसता, सुरक्षा एवं शांति के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

रायपुर बंद को चैंबर ऑफ कॉमर्स का समर्थन नहीं, कल खुली रहेंगी सभी दुकानें, स्कूल भी खुलेंगे

रायपुर। राजधानी के तेलीबांधा वीआईपी चौक में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने की घटना के विरोध में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने राज्योत्सव से एक दिन पहले 31 अक्टूबर को रायपुर बंद का ऐलान किया है. छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स ने रायपुर बंद को समर्थन नहीं दिया है. शुक्रवार को सभी दुकानें खुली रहेंगी. वहीं प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने भी कहा, हमें कोई सूचना नहीं है. सभी स्कूल खुले रहेंगे. चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थोरानी ने बताया कि चेंबर संविधान के अनुसार किसी भी प्रकार के बंद के समर्थन के लिए 48 घंटे पहले आवेदन होता है और हमें आवेदन आज शाम मिला है. इतनी जल्दी मीटिंग आमंत्रित कर निर्णय नहीं लिया जा सकता है, इसलिए कल होने वाले रायपुर बंद को चेंबर ऑफ कॉमर्स का समर्थन नहीं है. सभी दुकानें अपने निर्धारित समय पर खुलेंगी. वहीं प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के

अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने भी कहा, हमें कोई सूचना नहीं है. शुक्रवार को सभी प्राइवेट स्कूल खुले रहेंगे. बता दें कि जोहार पार्टी ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा था कि विगत दिनों सोची समझी साजिश के तहत एयरपोर्ट मार्ग के पहले वीआईपी चौक में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की विशालकाय मूर्ति को आपराधिक तत्वों ने शत-विक्षत कर दिया था. मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यह घटना 23 अक्टूबर के आसपास दिनदहाड़े हुई. प्रशासन द्वारा इस घटना को छुपाकर रखना अनेक संदेहों को जन्म देता है. मूर्तियों के खंडन के जरिए कुछ छत्तीसगढ़िया विरोधी लोगों द्वारा लगातार हमारी आस्था को खंडित करने और स्वाभिमान को ललकारने का काम किया जा रहा है. ऐसा करके वह छत्तीसगढ़ियों की मूल अस्मिता को डरा-धमका कर खत्म कर देने की योजना को अंजाम देना चाहते हैं. जोहार पार्टी ने कहा था कि वर्तमान तेलीबांधा की हृदय विदारक घटना से संपूर्ण छत्तीसगढ़ आक्रोशित है. राज्योत्सव से ठीक पहले किया गया यह दुष्कृत्य अक्षम्य है. छत्तीसगढ़ की जनता की आवाज को राज्य शासन एवं केंद्र शासन तक लोकतांत्रिक ढंग से पहुंचाने के लिए जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने 31 अक्टूबर 2025 दिन शुक्रवार को राजधानी रायपुर महाबंद का आह्वान किया है. राज्य अस्मिता से हो रहे खिलवाड़ों पर भविष्य में विराम लगाने एवं छत्तीसगढ़िया धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक एक दिवसीय रायपुर बंद करना हमारी विवशता है. जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने अपील की है कि कृप्या राजधानी के सभी व्यापारी, आम नागरिक, राजनैतिक दल, सामाजिक संगठन, कर्मचारी एवं श्रमिक संगठन, उद्योगपति अपने प्रतिष्ठान एवं कार्य एक दिन के लिए बंद रखकर छत्तीसगढ़ राज्य के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शन करें एवं वास्तविक अपराधियों को जेल के भीतर पहुंचाने में हमारी सहायता करें।

महाराष्ट्र से आये भारतीय वन सेवा के अधिकारियों ने दुगली वन धन केन्द्र एवं औषधी पौध रोपण का किया

जिले की वन संपदा और नवाचारों से प्रभावित हुए भारतीय वन सेवा के अधिकारी

धमतरी । वन संपदा और जैव विविधता से भरपूर धमतरी जिला एक बार फिर गौरव का केंद्र बना जब महाराष्ट्र राज्य के नागपुर से आये भारतीय वन सेवा (ढ्ढस्नस्) के वरिष्ठ अधिकारियों ने दुगली स्थित वन धन प्रसंस्करण केन्द्र एवं औषधी पौध रोपण का अध्ययन भ्रमण किया। धमतरी जिला, जो वन बाहुल्य क्षेत्र होने के साथ-साथ दुर्लभ वनौषधियों के भंडार के रूप में प्रसिद्ध है, देशभर के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहा है। इन्हीं विशेषताओं को जानने और सीखने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर को महाराष्ट्र से सात सदस्यीय वन अधिकारी दल एक दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर पहुँचा।

इस दल में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख कार्यालय नागपुर से पी. कल्याण कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एन.टी.एफपी.) रमेश कुमार, मुख्य वन संरक्षक गढ़चिरौली वृत्त शैलेष मीणा, उप वन संरक्षक भामरागढ़ वनमंडल अग्रिम सैनी, उप वन संरक्षक मेलघट वनमंडल सायपन शेख, उप वन संरक्षक जवाहर वनमंडल नितिन सिंह तथा उप वन संरक्षक एस.एस. करे शामिल थे।

अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान गैर-लकड़ी वन उत्पादों से जुड़ी बेस्ट प्रैक्टिसेस का अवलोकन किया। इनमें औषधीय पौधों का रोपण, शहद, तेंदूपत्ता, महुआ फूल एवं फल जैसे उत्पादों के साथ-साथ वन धन विकास केन्द्र दुगली में माहूल पत्ते से बनने वाले पत्तल-दोना और अन्य उत्पादों का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त, दल ने औषधी पौध रोपण क्षेत्र का भी भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों को औषधी रोपण, प्रसंस्करण केन्द्र की गतिविधियाँ, लाख उत्पादन, मार्केटिंग तथा वनमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी एवं जिला लघु वनोपज प्रबंध संचालक श्रीकृष्ण जाधव, उप प्रबंध संचालक बी.के. लकड़ा, एस.सी.ओ. गुड्डु दुफरे, प्रबंधक सुरेश साहू सहित जिला वनोपज सहकारी समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की पहल : फरसाबहार में खुलेगा सत्यसाई मातृत्व शिशु अस्पताल

पांच एकड़ जमीन चिन्हांकित, क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौगात.........

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाएं नए आयाम गढ़ रही हैं। अब जिले के फरसाबहार क्षेत्र में देश की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था सत्यसाई ट्रस्ट की ओर से मातृत्व शिशु चिकित्सालय अत्याधुनिक बाल हृदय रोग चिकित्सा उपचार अस्पताल की स्थापना की जा रही है। इस अस्पताल के लिए जिला प्रशासन ने पांच एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है, और जब तक स्थायी भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं होता, तब तक संस्था फरसाबहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अस्थायी तौर पर अस्पताल का संचालन करेगी।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा फरसाबहार में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प शिविर के दौरान की। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर स्थित सत्यसाई अस्पताल देशभर में अपने निःस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए

प्रसिद्ध है – जहां बच्चों के हृदय रोग का उपचार पूरी तरह निशुल्क किया जाता है। इस अस्पताल में किसी प्रकार का कैश काउंटर तक नहीं है। अब तक वहां 40 हजार से अधिक बच्चों का निःशुल्क उपचार किया जा चुका है।मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सत्यसाई ट्रस्ट की इस सेवा भावना से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस अस्पताल का निरीक्षण करने जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर ट्रस्ट के संचालकों से जशपुर जैसे आदिवासी बाहुल्य जिले में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में योगदान देने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री की इस अपील पर ट्रस्ट ने फरसाबहार में अस्पताल खोलने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि,जिले के लिए यह अस्पताल किसी वरदान से कम नहीं है। इसके शुरू होने से जशपुर के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों – ओडिशा और झारखंड –के सीमावर्ती इलाकों के बच्चों को भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं निःशुल्क मिल सकेंगी।

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का हो रहा है व्यापक विस्तार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दिसंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए गए हैं।जिले को कुनकुरी मेडिकल कॉलेज ङ्क मुख्यमंत्री साय के पहले बजट में कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज की घोषणा कर जिले का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ।प्रथम चरण में 220 बिस्तरों वाले अस्पताल के लिए 32 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत।संचालन हेतु 90 पदों की स्वीकृति दी गई।चराईडांड में भवन निर्माण हेतु भूमि चिन्हांकित भी की गई है।अस्थायी रूप से राजा देवशरण जिला चिकित्सालय में संचालन की प्रक्रिया जारी।जगदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय, जशपुरनगर ङ्क 35 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर।सीटी स्कैन, आधुनिक आपातकालीन चिकित्सा सहित उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

गिनाबहार मातृ-शिशु अस्पताल (स्ष्ट॥) ङ्क गर्भवती माताओं व नवजात शिशुओं के लिए उच्च स्तरीय सुविधा केंद्र निर्माणाधीन।

धान फसल में पेनिकल माइट एवं अन्य कीट-व्याधियों से बचाव के लिए किसानों को सावधान रहने की सलाह

धमतरी । खरीफमौसम में धमतरी जिले में लगभग 1.38 लाख हेक्टेयर में किसानों द्वारा धान की फसल ली गई है। वर्तमान में प्रारंभिक किस्म की धान की कटाई शुरू हो चुकी है। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पेनिकल माइट, तना छेदक तथा भूरा माहू जैसे कीटों का प्रकोप देखा जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे अपने खेतों का नियमित निरीक्षण करते रहें, ताकि कीट-व्याधि के लक्षणों की पहचान कर समय पर नियंत्रण किया जा सके। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पेनिकल माइट के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर आंख जैसे छोटे धब्बे बनते हैं, जिनका अंदरूनी भाग भूरा तथा बाहरी किनारा गहरा भूरा होता है। धीरे-धीरे ये धब्बे मिलकर बड़े हो जाते हैं और पौधे पीले पड़ने लगते हैं। आगे चलकर यह कीट गांठ और वालियों पर हमला कर उन्हें काला और कमजोर बना देता है, जिससे दाने नहीं भरते तथा वालियां टूटने लगती हैं।हेक्सीथायाजोक्स 5.45 ई.सी. (मैडन, क्यूवैक्स, माईटोलिन या अन्य समकक्ष उत्पाद) 500 मिली + प्रोपिकोनाजोल 25 ई.सी. (टिल्ट, बूस्ट, बम्पर, जिराक्स या अन्य समकक्ष उत्पाद) 500 मिली 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। प्रोपर्राजाईट 57 ई.सी. 750 मिली + प्रोपिकोनाजोल 25 ई.सी. 500 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। इसके अलावा डाईफेन्यूरॉन 120 ग्राम एवं प्रोपिकोनाजोल 200 मिली प्रति एकड़ मात्रा में छिड़काव भी प्रभावी है।

भूरा माहू के प्रकोप की स्थिति में

पाईमेट्रोजिन 50 डब्ल्यू.जी. (अप्लाई, पाईमेट्रो, क्लू आदि) 300 ग्राम या डाइनेट्फ्यूरान 20 एस.जी. (ओसीन, टोकन आदि) 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

धान में झुलसा रोग (ब्लास्ट) दिखाई देने पर

टेवुकोनाजोल + ट्राइफॉक्सीस्ट्रोबीन (नाटीवो 75 डब्ल्यू.जी.) 0.4 ग्राम प्रति लीटर या ट्राइसाइक्लाजोल (बीम, बान आदि) 6 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी में मिलाकर 12 से 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें।

ब्रह्माकुमारी संस्थान से मेरा अपनापन जुड़ा है : मोदी

रायपुर (संवाददाता)।

प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस में शामिल होने रायपुर पहुंचे हैं। क्क्रू मोदी ने ब्रह्माकुमारी संस्थान के 'शांति शिखर' ध्यान केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान कहा कि हमारे यहां कहा जाता है आचरण ही सबसे बड़ा धर्म, तप और ज्ञान है। आचरण से क्या कुछ सिद्ध नहीं हो सकता। ब्रम्हकुमारी सेंटर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। आज विशेष दिन है। छत्तीसगढ़ के साथ ही झारखंड और उत्तराखंड के भी 25 साल पूरे हुए हैं। मोदी ने कहा कि आज देश के कई और भी राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। इन सभी राज्यों के निवासियों को स्थापना दिवस की बधाई देता हूं। राज्य के विकास में देश का विकास है। मोदी ने कहा कि इसी मंत्र पर चलते हुए भारत को हम विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। इस अहम यात्रा में ब्र्हकुमारी जैसी संस्थाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। मेरा सौभाग्य रहा है कि बीते कई दशकों से मैं जुड़ा हुआ हूं। मोदी ने कहा कि मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन को वटवृक्ष की तरह विस्तार लेते देखा है। 2011 में अहमदावाद में फ्यूचर ऑफ पावर के कार्यक्रम , 2012 में संस्था के 75 वर्ष, आबू जाना हो या गुजरात के कार्यक्रम में जाना हो, ये रूटीन हो गया था। मोदी ने कहा कि दिल्ली आने के बाद भी आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़ा अभियान हो, स्वच्छता अभियान हो इन सबसे जुड़ने का मौका हो, मैं जब भी आपके बीच आया हूं, मैंने आपके प्रयासों को बहुत गंभीरता से देखा है। मैंने हमेशा अनुभव किया है, यहां शब्द कम, सेवा ज्यादा है। इस संस्थान से मेरा अपनापन, खासकर जानकी दीदी का स्नेह, राजयोगिनी दादी योगिनी जी का मार्गदर्शन, मेरे जीवन की विशेष स्मृतियों का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन की प्रमुख बातें

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन विशेष है, क्योंकि छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड — तीनों राज्य अपने स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहे हैं। उन्होंने सभी राज्यों के नागरिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि राज्य का विकास ही देश के विकास की नींव है।

मोदी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने के अभियान में ब्रह्माकुमारी जैसी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने भाव व्यक्त करते हुए कहा, 卐मैं यहां अतिथि नहीं, आपका ही एक सदस्य हूं।卐

उन्होंने बताया कि उनका इस संस्था से दशकों पुराना जुड़ाव रहा है और उन्होंने इसे वटवृक्ष की तरह बढ़ते हुए देखा है।

पीएम मोदी ने देश-विदेश में जुड़े सभी ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश की परंपरा में 卐आचरण ही सबसे बड़ा धर्म, तप और ज्ञान卐 माना गया है।

उनके अनुसार, सच्चा परिवर्तन तभी संभव है जब कथन और कर्म में एकता हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कथन को आचरण में उतारा जाए। यही ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शक्ति का स्रोत है।

उन्होने कहा कि यहां हर बहन पहले कठोर तप और साधना में खुद को तपाती है। आपका पहला संबोधन ही ओम शांति है।

ओम शांति के भाव को उन्होंने समझाते हुए कहा, ओम का अर्थ है ब्रह्म और समस्त ब्रह्मांड, जबकि शांति का अर्थ है स्थिरता और सद्भाव की कामना।

हाथ में माइक थामे पीएम मोदी, सत्य साईं अस्पताल में बच्चों से बातचीत की

रायपुर प्रधानमंत्री मोदी आज सुबह छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस में शामिल होने रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और दोनों उपमुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी एयरपोर्ट से सत्य साईं अस्पताल पहुंचे, जहां वे 2,500 बच्चों से बातचीत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री करीब 6 घंटे 45 मिनट तक रायपुर में रहेंगे। रायपुर पहुंचने पर उन्होंने पद्म विभूषण तीजन बाई और लेखक पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल भी जाना। इसके अलावा, पीएम मोदी नए विधानसभा भवन, डिजिटल जनजातीय संग्रहालय और ब्रह्माकुमारी संस्थान के 'शांति शिखर' ध्यान केंद्र का उद्घाटन करेंगे। साथ ही वे रोड शो भी करेंगे।

बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर विमानतल पर मोदी का किया स्वागत

रायपुर (संवाददाता)। बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर विमानतल पर पीएम मोदी का स्वागत किया। पोस्ट में बृजमोहन अग्रवाल ने लिखा, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभु श्री राम के ननिहाल, माता कौशल्या की पवित्र भूमि पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। आज रायपुर आगमन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। छत्तीसगढ़, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी आज सुबह छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस में शामिल होने रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और दोनों उपमुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी एयरपोर्ट से सत्य साईं अस्पताल पहुंचे, जहां वे 2,500 बच्चों से बातचीत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री करीब 6 घंटे 45 मिनट तक रायपुर में रहेंगे। रायपुर पहुंचने पर उन्होंने पद्म विभूषण तीजन बाई और लेखक पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल भी जाना। इसके अलावा, पीएम मोदी नए विधानसभा भवन, डिजिटल जनजातीय संग्रहालय और ब्रह्माकुमारी संस्थान के 'शांति शिखर' ध्यान केंद्र का उद्घाटन करेंगे। साथ ही वे रोड शो भी करेंगे।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सवः 1 से 5 नवम्बर तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की होगी शानदार प्रस्तुतियां

मुख्यमंच और शिल्पग्राम मंच में कलाकार बिखेरेंगे मनमोहक छटा

पहले दिन पार्श्व गायक श्री हंशराज रघुवंशी होंगे आकर्षण का केन्द्र

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय कलाकार भी देंगे अपनी प्रस्तुति

रायपुर, छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत महोत्सव में देश एवं प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। एक नवम्बर से 5 नवम्बर तक मुख्यमंच के अलावा शिल्पग्राम मंच पर भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। राज्योत्सव में इस बार छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय कलाकारों के साथ ही देश के जाने-माने कलाकार, श्री हंशराज रघुवंशी, श्री आदित्य नारायण, श्री अंकित तिवारी, श्री कैलाश खेर, सुश्री भूमि त्रिवेदी अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे। राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर नवा रायपुर के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाणिज्य एवं व्यापार परिसर में बनाये गए मुख्यमंच से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत सुबह 11 बजे सुश्री ऐश्वर्या पंडित के गायन से होगी। इसके बाद श्री पीसी लाल यादव, सुश्री आरू साहू, श्री दुष्यंत हरमुख, श्रीमती निर्मला ठाकुर तथा शाम 8 बजे राष्ट्रीय कलाकार श्री हंशराज रघुवंशी की प्रस्तुति होगी। इसी प्रकार 2 नवम्बर को सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री आदित्य नारायण प्रमुख आकर्षण के केन्द्र होंगे। उनके द्वारा गीतों की प्रस्तुति रात्रि 9 बजे से दी जाएगी। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत शाम 6.30 बजे से होगी। सबसे पहले श्री सुनील तिवारी, सुश्री जयश्री नायर चिन्हारी द गर्ल बैंड, पद्मश्री डोमार सिंह कंवर नाचा दल का कार्यक्रम होगा।

इसी प्रकार 3 नवम्बर को पार्श्व गायिका सुश्री भूमि त्रिवेदी रात्रि 9 बजे से प्रस्तुति देंगी। इस दिन सांस्कृतिक संध्या में शाम 6 बजे से पद्मश्री उषा बारले पण्डवानी, श्री राकेश शर्मा सूफी-भजन गायन, श्री कुलेश्वर ताम्रकार लोकमंच की प्रस्तुति होगी तथा 4 नवम्बर को रात्रि 9 बजे पार्श्व गायक श्री अंकित तिवारी प्रस्तुति देंगे। इस दिन शाम 6 बजे कला केन्द्र रायपुर बैण्ड, श्रीमती रेखा देवार की लोकगीत, श्री प्रकाश अवस्थी की प्रस्तुति होगी। इसी प्रकार 5 नवम्बर को रात्रि 9 बजे पार्श्व गायक श्री कैलाश खेर अपनी प्रस्तुति देंगे। सांस्कृतिक संध्या में शाम 6 बजे से श्रीमती पूनम विराट तिवारी, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का कार्यक्रम होगा।

शिल्पग्राम मंच की प्रस्तुतियां-

शिल्पग्राम मंच में 1 नवम्बर को श्री मोहम्मद अनस पियानो वादन, श्रीमती बासंती वैष्णव द्वारा कत्थक, सुश्री रमादत्त जोशी और श्रीमती सोनाली सेन का गायन, सुश्री स्वीटी पगारिया कत्थक, श्री मंगलूराम यादव की बांसगीत, सुश्री चारूलता देशमुख भारत नाट्य, श्री दुष्यंत द्विवेदी की पण्डवानी, श्री लोकेश साहू की भजन, श्रीमती बॉबी मंडल की लोक संगीत तथा श्री चन्द्रभूषण वर्मा लोकमंच की प्रस्तुति होगी। 2 नवम्बर को श्रीमती रेखा जलक्षत्रीय की भरथरी, श्री ईकबाल ओबेराय की म्यूजिक ग्रुप, श्री बसंतबीर उपाध्याय मानस बैंड, संश्री दीपाली पाण्डेय की कत्थक, श्री लिलेश्वर सिंहा की लोक संगीत, सुश्री अंविता विश्वकर्मा भारतनाट्यम, सुश्री आशिका सिंघल कत्थक, श्री प्रांजल राजपूत भरथरी।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में तैनात प्रधान आरक्षक की मौत

रायपुर – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में तैनात एक प्रधान आरक्षक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, 51 वर्षीय फुलजेश पन्ना, जो जशपुर के रहने वाले थे। वह कांकेर जिले में पदस्थ थे। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में सुरक्षा ड्यूटी के लिए रिजर्व बल के रूप में बुलाया गया था। ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें रामकृष्ण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा भेजा गया है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

बस्तर की सुदूर बसाहटें अब मुख्यधारा से जुड़ीं, पीएमजीएसवाई ने बदली तस्वीर

रायपुर(वीएनएस)।शासन की आदिवासी बहुल इलाकों में बारहमासी आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की कटिबद्धता के फलस्वरूप बस्तर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के आदिवासी बसाहटें, जहां बरसात में कीचड़ और सूखे में धूल ही रास्ता हुआ करती थी, अब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की बदौलत पक्की, चौड़ी और मजबूत सड़कों के द्वारा शहरों से जुड़ चुकी हैं। वर्ष 2000-01 से शुरू हुई इस यात्रा में अब तक डामरीकृत, सीमेंट कांक्रीट और नवोन्मेषी तकनीकों से कुल 2388.24 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, जिस पर 856 करोड़ 80 लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय हुई है।

ये सड़कें सिर्फ चलने की राह नहीं, बल्कि जिंदगियों को जोड़ने वाली जीवनरेखाएं हैं। जिले में वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित दरभा, बास्तानार, लोहंडीगुड़ा जैसे विकासखंडों में बनी इन सड़कों ने 1420 बसाहटों को पहली बार शहरों से सीधा संपर्क दिया। पहले जहां एक मरीज को अस्पताल पहुंचाने में घंटों की पैदल यात्रा करनी पड़ती थी, वहीं आज एम्बुलेंस गांव के आंगन तक पहुंच रही है। स्कूल जाने वाली बच्चियां, जो बरसात में किताबें बचाने के लिए प्लास्टिक में लपेटकर चलती थीं, अब बस-टैक्सी से स्कूल पहुंचती हैं। वनांचल में उत्पादित महुआ, चार, इमली, जंगली शहद और बांस से बने हस्तशिल्प अब जगदलपुर, रायपुर और बिलासपुर के बाजारों तक सीधे पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही जिले में कृषि एवं उद्यानिकी उपज और साग-सब्जी आसानी के साथ बाजार तक पहुंच रही है।प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत जिले में कुल 451 सड़कें स्वीकृत हुईं, जिनमें से सभी पूर्ण हो चुकी हैं। पीएमजीएसवाई फेज-1 के तहत 426 सड़कें 1993.51 किलोमीटर लंबी, पीएमजीएसवाई फेज-2 के तहत 5 सड़कें 94.35 किलोमीटर और पीएमजीएसवाई फेज-3 के तहत 20 सड़कें 300.38 किलोमीटर की बनीं। इनके साथ ही 42.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 16 वृहद पुल भी पूरे हो चुके हैं। जिले के नदी-नालों पर बने ये पुल अब स्थानीय लोगों के लिए सिर्फयातायात का माध्यम नहीं, बल्कि आपदा के समय जीवनरक्षक भी साबित हो रहे हैं। बाढ़ के दिनों में जहां पहले नाव ही एकमात्र सहारा होती थी, वहीं आज ये पुल गांवों को अलग-थलग होने से बचा रहे हैं।

लेकिन बस्तर में सड़कों के विस्तार की यह कहानी यहीं खत्म नहीं हो रही। वर्ष 2025-26 में पीएम-जगुआ और पीएमजीएसवाई फेज-4 के नए चरण में 295 बसाहटों का सर्वेक्षण आधुनिक जीओ सड़क ऐप और ड्रोन तकनीक की मदद से पूरा किया गया है। इनमें से बैच-1 के तहत 87 सड़कों का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर केंद्र सरकार को स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है। इन नई सड़कों में जलवायु अनुकूल डिजाइन, सौर ऊर्जा से संचालित स्ट्रीट लाइट और वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी शामिल की जा रही है, ताकि बस्तर का विकास टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल हो। ग्रामीणों की जुबानी सुनें तो बदलाव साफदिखता है। दरभा ब्लॉक के ककनार गांव की 65 वर्षीय बुधरी बाई पुराने दिनों को याद करते हुए बताती हैं कि पहले बीमारी में बेटा कंधे पर उठाकर ले गया था, अब गाड़ी आती है, दवा मिलती है, जिंदगी बचती है। तोकापाल की छात्रा कविता नाग ने बताया कि अब कॉलेज जाने में डर नहीं लगता। सड़क है, तो सपना भी पूरा होने की उम्मीद है। स्थानीय व्यापारी रामू कश्यप कहते हैं की महुआ और इमली पहले सस्ते में बिचैलिए ले जाते थे। अब खुद वाहनों से बाजार ले जाते हैं, दाम अच्छा मिलता है।

कांग्रेस ने मोदी से राज्य की जनता की ओर से पूछे सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे के पूर्व, कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ की जनता की ओर उनसे सवाल पूछ रही है। हमें उम्मीद है लोकतंत्र में सवाल पूछने से जनता के, विपक्ष के अधिकारों का सम्मान होगा और मोदी जी ओर से इन सवालों का जवाब आएगा।

1. मोदी जी, 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी की गारंटी के नाम से राज्य की जनता से लोक लुभावने वादे किए थे। भाजपा की सरकार बने दो साल पूरे होने वाले है, मोदी की गारंटी दम तोड़ चुकी है, इस पर आप राज्योत्सव से ग्राउंड से कुछ कहना चाहेंगे?

2. मोदी की गारंटी में भाजपा ने पांच साल में 1 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। इस हिसाब से एक साल में बीस हजार युवाओं को नौकरी मिलना था। दो साल में 40 हजार युवाओं को नौकरी मिलना था, आपकी सरकार ने दो साल में दो हजार नौकरी भी नहीं दी, इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे?

3. मोदी की गारंटी में भाजपा ने 2.5 लाख विभिन्न अनियमित कर्मचारी जिसमें संविदा आंगनबाड़ी, मितानिन एनआरएचएम सभी थे, उनको 100 दिन में नियमित करने का वादा किया था लेकिन दो साल में किसी भी वर्ग के कर्मचारी नियमित नहीं हुए, इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे?

4. मोदी की गारंटी में राज्य की हर विवाहित महिला को एक हजार महीना महतारी वंदन देने का वादा था, राज्य में 1.25 करोड़ विवाहित महिलाएं है, इनमें से आधे से भी कम को महतारी वंदन में पैसे मिल रहे क्या इस पर आप कुछ कहेंगे?

मोदी जी बिहार की महिलाओं को 10 हजार, छत्तीसगढ़ की महिलाओं को 1 हजार देने में भी कोताही ऐसा क्यों ? 500 में घरेलू सिलेंडर देने के वादे पर भी धोखा दे दिये।

5. मोदी जी, भरी चुनावी सभा में आपने डबल इंजन की सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ में सुशासन लाने का वादा किया था, यहां पर तो भाजपा की सरकार बनने के बाद हत्या, लूट, बलात्कार, गोलीबारी, चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ गई, आम आदमी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहा, कानून व्यवस्था समाप्त हो गई है, कलेक्टर एसपी कार्यालय जला दिए गए इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे?

6. मोदी जी, राज्य में बांगलादेश के नागरिक घुसपैठ करके आए है, राज्य में पाकिस्तान से ड्रग्स आ रहा है, ऐसा दावा राज्य सरकार का है। केंद्र में 11 साल से अधिक समय से आपकी सरकार है, देश के हृदय स्थल छत्तीसगढ़ में घुसपैठिए और पाकिस्तान से ड्रग्स आना क्या आपकी केंद्र सरकार की विफलता नहीं है? 7. मोदी जी, आपने चुनाव में कहा था डबल इंजन की सरकार बनाओ, राज्य का फायदा होगा। डबल इंजन की सरकार बनने के बाद भी राज्य के द्वारा खरीदे जाने वाले पूरे धान से बने चावल को केंद्र सरकार सेंट्रल पुल में लेने से मना क्यों करती है?

8. छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद नये प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत नहीं हुये है राज्य सरकार झूठे दावे करती है, आप ही बता दे 2023 के बाद कितने आवास केंद्र ने स्वीकृत किया है?

9. डबल इंजन की सरकार राज्य के किसानों को यूरिया, डीएपी तक नहीं उपलब्ध करवा पाई। आप बताए ऐसी डबल इंजन की सरकार का राज्य को क्या फायदा हुआ?

10. मोदी जी, आपको पता है, आपकी राज्य सरकार ने एक भी नया स्कूल नहीं खोला लेकिन 10463 स्कूल बंद करने का शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया है। इस पर आप कुछ कहेंगे?

11. मोदी जी, आपने भरे मंच से शराब और महादेव ऐप पर बड़ी-बड़ी बात कि थी राज्य में आज नकली होलोग्राम लगा के दूसरे राज्यों से अवैध शराब लाकर बेची जा रही। महादेव ऐप अभी भी चल रहा, उसके खिलाफ आपकी डबल इंजन की सरकार कुछ नहीं कर रही, महादेव ऐप के सरगनाओं को दुबई से नहीं ला पाए, इस पर आप कुछ कहेंगे। मोदी जी आप बताएंगे सट्टा और शराब की काली कमाई का पैसा कहां जा रहा?

12. मोदी जी, डबल इंजन की सरकार बनने के बाद राज्य के जंगल हसदेव से लेकर तमनार तक आपके मित्र के लिए पेड़ काटे जा रहे इस पर आप कुछ कहेंगे?

13. मोदी जी, छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार आने के बाद बिजली के दाम तीन गुना से चार गुना बढ़ गए इस पर आप कुछ कहेंगे?

14. मोदी जी, बस्तर में बाढ़ आई थी, सब कुछ तबाह हो गया, क्या आपको जानकारी नहीं दी गई थी? वहां के लोगों के व्यवस्थापन के लिए केंद्र सरकार ने कोई विशेष पैकेज क्यों नहीं दिया,?

15. मोदी जी, रेलवे छत्तीसगढ़ की यात्री ट्रेनों को ही क्यों रद्द करता है? आपको बताया नहीं गया होगा आपकी सरकार आने के बाद छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 64,000 फेरा यात्री ट्रेनों को रद्द किए गए। छत्तीसगढ़ के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों?

16. मोदी जी बस्तर का नगरनार इस्पात संयंत्र अभी भी विनिवेशीकरण के लिए दीपम की साइट पर दिखता है ऐसा क्यों?

17. मोदी जी एनएमडीसी का मुख्यालय बस्तर क्यों नहीं आ रहा?

18. मोदी जी, क्या आप इस बात की गारंटी देंगे कि बस्तर किसी उद्योगपति का जागीर नहीं बनेगा, उसके जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर कब्जा नहीं किया जाएगा?

राज्यपाल रमेन डेका ने लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला को स्मृति चिन्ह भेंट किया

रायपुर (संवाददाता)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के राजभवन आगमन पर उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

किसानों की समृद्धि की नयी राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है।

छात्रों में बढ़ती जा रही हिंसात्मक गतिविधियां

सोनम लववंशी

देश के तमाम शहरों के विद्यालयों में छात्रों के द्वारा की जा रही हिंसात्मक गतिविधियों पर लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। एक घटना जिसमें दसवीं के छात्र की हत्या और दूसरी घटना नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना।

दोनों घटनाएं अलग-थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर-तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वर्षों के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014-22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है।

एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वर्षों में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्राय- मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं।

यह निजी विचार है ।

एक अनूठी पार्टी : भाजपा ने भारतीय राजनीति में नेतृत्व के पहलू को कैसे पुनर्परिभाषित किया

हरदीप सिंह पुरी

आजाद भारत के इतिहास में राजनीति ज्यादातर समय हक की एक ऐसी भावना से प्रभावित रही, जिसने विरासत और वैधता के बीच घालमेल किया। एक परिवार और एक पार्टी को यह लगने लगा कि वे शासन करने के लिए ही पैदा हुए हैं। गुजरते वक्त के साथ, इस मानसिकता ने संस्थाओं को खोखला कर दिया और पीढ़ियों को राजनीतिक विशेषाधिकार को जन्मसिद्ध अधिकार मानने के लिए प्रेरित किया। इस धारणा को अब योग्यता, जवाबदेही और प्रदर्शन पर आधारित नई राजनीतिक नैतिकता द्वारा चुनौती दी जा रही है।

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित वन नेशन, फ्यू फैमिलीज शीर्षक लेख में भारत में वंशवादी राजनीति के जारी रहने को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया है। यह लेख जिस मुद्दे को उजागर करता है वह वास्तविक तो है, लेकिन उसकी व्याख्या अधूरी है। वंशवाद भाजपा समेत सभी दलों में मौजूद है। फिर भी, भाजपा की एक खासियत यह है कि वहां पारिवारिक पृष्ठभूमि अपने-आप नेतृत्व में तब्दील नहीं होती। यह एक ऐसी पार्टी है जहां अवसर अर्जित करना जरूरी होता है और जहां किसी व्यक्ति का उत्थान उसके काम, प्रतिबद्धता एवं जनता के विश्वास पर निर्भर करता है, न कि वंश पर। भाजपा में, एक पारिवारिक पहचान एक दरवाजा तो खोल सकता है, लेकिन उस दरवाजे को हमेशा के लिए खुला नहीं रख सकता।

यह एक मौलिक अंतर है। राजनीतिक रिश्तेदारी अपने आप में कोई समस्या नहीं है। लेकिन वंशानुगत नियंत्रण एक समस्या है। जब नेतृत्व एक ही परिवार की मिल्कियत बन जाए, जब आंतरिक बहस की जगह रक्त संबंधों के प्रति निष्ठा ले ले, तो लोकतंत्र मुरझा जाता है। राजनीतिक संस्कृतियों के बीच का यह अंतर काफी गहरा है। वर्ष 2000 से, भारतीय जनता पार्टी के आठ राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए हैं- बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णमूर्ति, वेंकैया नायडू, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जे.पी. नड्डा। ये सभी अलग-अलग क्षेत्रों एवं पृष्ठभूमि से आए हैं और इनमें से प्रत्येक संगठनात्मक कार्य के अनुशासन के रास्ते आगे बढ़े हैं। इसी अवधि के दौरान, कांग्रेस के मात्र तीन अध्यक्ष ही हुए हैं, जिनमें से दो गांधी परिवार से हैं। सोनिया गांधी उन्नीस वर्षों तक इस पद पर रहीं और आज भी पार्टी में इस परिवार का निर्णय ही अंतिम होता है।

इंडियन एक्सप्रेस का विश्लेषण, इन अंतरों को कम करके मौलिक रूप से भिन्न राजनीतिक हकीकतों को एक जैसा बना देता है। आकस्मिक रिश्तेदारी और संस्थागत कब्जे के बीच अंतर किए बिना ही, यह विश्लेषण राजनीति में रिश्तेदारों वाले विधायकों की संख्या की गिनती करता है। भाजपा के 2,078 विधायकों में से 84 राजनीतिक परिवारों से आते हैं, जो लगभग चार प्रतिशत है। कांग्रेस के 857 विधायक हैं, जिनमें से 73 वंशवादी हैं, जो लगभग नौ प्रतिशत है। आनुपातिक रूप से मापने पर, कांग्रेस का वंशवादी घनत्व दोगुना है। फिर भी, इस लेख में संख्याओं की गिनती का हवाला देकर एक झूठी समरूपता गढ़ी गई है। कांग्रेस से परे भी, सत्ता का एक परिवार विशेष के हाथों में केन्द्रित होना ही कई क्षेत्रीय दलों की पहचान है। समाजवादी पार्टी की बागडोर मुलायम सिंह यादव से निकलकर अखिलेश यादव के पास चली गई। राष्ट्रीय जनता दल यादव परिवार के ही अधीन है। द्रमुक की लगाम एम. करुणानिधि से एम. के. स्टालिन और अब उदयनिधि स्टालिन के पास चली गई। तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के इर्द-गिर्द ही घूमती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा पर सोरेन परिवार का नियंत्रण बना हुआ है। ये बहुलवादी नेतृत्व के नहीं, बल्कि विरासत में मिले नेतृत्व के उदाहरण हैं। परिवार को हटा दिया जाये, तो पार्टी ढह ही जाये।

इस बात को समझने के लिए कि भाजपा अलग तरह से क्यों काम करती है, हमें इसके संस्थागत ढांचे पर गौर करना होगा। भाजपा का संगठन स्तरीकृत, सामूहिक और लक्ष्य-उन्मुख है। वहां कार्यकर्ताओं को बहुत जल्दी ही पहचान लिया जाता है और उन्हें व्यवस्थित कार्यक्रमों के जरिए प्रशिक्षित किया जाता है और बूथ, मंडल, जिला और राज्य स्तर पर जिम्मेदारी देकर परखा जाता है। प्रत्येक चरण में किया गया प्रदर्शन अगले अवसर का निर्धारण करता है। चुनाव जीते जाने वाली प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन ये संगठन की लामबंदी, लोगों को समझाने और परिणाम देने की क्षमता का भी लेखा-जोखा होती हैं। यह संरचना एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करती है जिसमें सेवा, अनुशासन और परिणाम ही आगे बढ़ने के पैमाने हैं।

नेतृत्व की पाइपलाइन की भी यही कहानी है। वर्ष 2014 से पार्टी ने पहली पीढ़ी के वैसे नेताओं को आगे बढ़ाया है जो भारत की सामाजिक गतिशीलता को दर्शाते हैं। छत्तीसगढ़ के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं ने निरंतर जमीनी स्तर पर काम करके अपना करियर बनाया। ओडिशा में मोहन माझी ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिलने से पहले संगठन और विधानमंडल में वर्षों बिताए। हरियाणा में नायब सिंह सैनी एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और राजस्थान में भजन लाल शर्मा वर्षों तक निर्वाचन क्षेत्र में काम करके और पार्टी की जिम्मेदारी निभाकर आगे बढ़े। इनमें से किसी को भी राजनीतिक पद विरासत में नहीं मिला। इनमें से प्रत्येक इस बात के उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि एक योग्यता-आधारित पार्टी में नेतृत्व कैसे अर्जित किया जा सकता है।

भाजपा का संसदीय और सरकार में रहने का अनुभव भी पहुंच और प्रभुत्व के बीच के अंतर को दर्शाता है। कई युवा नेताओं को दृश्यता और जिम्मेदारी दी जाती है, लेकिन उनका मूल्यांकन उनके काम के आधार पर किया जाता है। मंत्रियों का मूल्यांकन परिणामों, सुधारों और जन संवाद के आधार पर किया जाता है। पार्टी के पद समयबद्ध और प्रदर्शन से जुड़े होते हैं। इससे त्रुटि या महत्वाकांक्षा समाप्त नहीं होती और न ही कोई भी संस्था ऐसा कर सकती है। लेकिन यह कवायद ऐसे प्रोत्साहन पैदा करती है, जो वंशावली की तुलना में योग्यता को प्राथमिकता देते हैं।

इसके उलट, वंशानुगत पार्टियां नए प्रयोगों को आजमाने में जूझती हैं क्योंकि वहां उत्तराधिकार पूर्वनिर्धारित होता है। वहां प्रतिभाएं अपने उत्तराधिकारी की रक्षा करने की जरूरत के बोझ से घिरी रहती हैं। पारिवारिक परंपरा के विरोधाभास के डर से आंतरिक बहस मंद पड़ जाती है। संगठनात्मक नेटवर्क प्रशासकों और विधायकों के बजाय दरबारियों और दलालों के इर्द-गिर्द घूमने लगते हैं। इसका नतीजा न केवल राजनीतिक गतिरोध में होता है, बल्कि जनता के विश्वास का भी क्षरण होता है। मतदाता अंततः अर्जित नेतृत्व और हस्तांतरित नेतृत्व के बीच के अंतर को पहचान लेते हैं।

इतिहास को स्वीकार करना जरूरी होता है। कांग्रेस ने राष्ट्रीय कल्पना में राजनीतिक विरासत को आम बात बना दिया। वाईएसआर कांग्रेस और बीआरएस से लेकर तृणमूल तक, कई क्षेत्रीय वंशवादी संगठन कांग्रेस की ही शाखाएं हैं और उन्होंने उसके वंशानुगत ढांचे की नकल की है। दशकों से इस संस्कृति ने राजनीतिक दलों को ऐसे पारिवारिक उद्यमों में बदल दिया है, जहां विचारधारा की जगह निष्ठा ने ले ली और नेतृत्व के विकास की जगह उत्तराधिकार के नियोजन ने ले ली। यह मॉडल कुछ समय तक चुनावी सफलता तो दिला सकता है, लेकिन यह शायद ही कभी टिकाऊ संस्थाओं या सक्षम नेताओं की एक व्यापक श्रृंखला का निर्माण कर पाता है।

आलोचक कभी-कभी यह पूछते हैं कि क्या भाजपा पूरी तरह से वंशवादी हस्तियों से मुक्त है। इसका ईमानदार जवाब यह है कि ऐसा नहीं है और न ही कोई भी बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी ऐसी हो सकती है। लेकिन प्रासंगिक सवाल कुछ दूसरा है। क्या ऐसे व्यक्ति केवल अपने वंश की बदौलत ही पदों पर आसीन होते हैं या उन्होंने फिर निरंतर कार्य करके संगठन और मतदाताओं का विश्वास अर्जित किया है। भाजपा का रिकॉर्ड दर्शाता है कि पारिवारिक पृष्ठभूमि एक जीवनी संबंधी तथ्य हो सकती है, लेकिन यह योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं है। नेतृत्व का रास्ता सभी के लिए एक जैसा ही है - कार्यकर्ता से नेता, कार्यकर्ता से प्रतिनिधि, प्रतिनिधि से मंत्री और हर कदम प्रदर्शन के जरिए ही अर्जित किया जाता है।

यह अंतर अपने सामाजिक और भौगोलिक आधार का विस्तार करने की भाजपा की क्षमता को भी दर्शाता है। एक योग्यता-आधारित पार्टी नए समुदायों और क्षेत्रों का समावेश कर सकती है क्योंकि वह भागीदारी के ऐसे रास्ते प्रदान करती है, जो किसी परिवार से निकटता पर निर्भर नहीं होते। वह स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान कर सकती है, उन्हें जिम्मेदारी दे सकती है और उनके परिणामों को पुरस्कृत कर सकती है। इस तरह ही एक पार्टी स्थानीय वास्तविकताओं में निहित रहते हुए राष्ट्रीय चरित्र हासिल करती है। इसी तरह ही एक पार्टी ऐसे नेताओं के जरिए विचारधारा को शासन में परिवर्तित करती है, जिन्हें केवल विरासत में पाने के बजाय कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया होता है।

मतदाता इस अंतर को पहचान चुके हैं। मतदाता नाम से प्रभावित नहीं होते। वे नेताओं का मूल्यांकन उनके वंश से नहीं, बल्कि उनके कार्यों से करते हैं। वे जनसेवा से अर्जित वैधता और वंश-परंपरा से प्राप्त अधिकार के बीच का अंतर समझते हैं। इसीलिए वंशवादी राजनीति से संबंधित बहस को केवल आंकड़ों के खेल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। गंभीर मुद्दा नेतृत्व की संस्कृति का है। क्या कोई पार्टी सेवा और योग्यता को पुरस्कृत करती है या फिर किसी परिवार से जुड़ाव को। इस कसौटी पर भाजपा की खूबी बिल्कुल साफ नजर आती है।

इंडियन एक्सप्रेस के लेख में यह पूछा गया कि भारत की कौन सी पार्टियां परिवारों द्वारा संचालित हैं। लेकिन इससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उनमें से कौन सी पार्टी परिवार द्वारा संचालित नहीं हैं। भाजपा उन चंद पार्टियों में से एक है जहां नेतृत्व विरासत में नहीं मिलता, केवल अर्जित किया जाता है। पार्टी में विभिन्न पृष्ठभूमि के नेता आते रहेंगे, जिनमें वे भी शामिल होंगे जिनके रिश्तेदार सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन उन्नति की शर्तें सभी के लिए एक जैसी ही होंगी। कड़ी मेहनत कीजिए, विश्वास अर्जित कीजिए, परिणाम दीजिए और लोगों को आश्वस्त कीजिए। लोकतंत्र में इसके अलावा और कोई स्थायी रास्ता नहीं है।

भारत का लोकतंत्र एक मौन बदलाव के दौर से गुजर रहा है। नागरिक वंशावली के बजाय योग्यता से शासित होने के अपने अधिकार पर जोर दे रहे हैं। जैसे-जैसे नेतृत्व अधिक जवाबदेह होता जा रहा है, संस्थाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है। राजनीति विरासत से कम और सेवाभाव से अधिक प्रभावित दिखने लगी है। यह यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है और कभी होगी भी नहीं। हर पीढ़ी को इसे नवीनीकृत करते रहना होगा। लेकिन दिशा बिल्कुल स्पष्ट है। योग्यता मायने रखती है। प्रदर्शन मायने रखता है। जनता सबसे अधिक मायने रखती है।

इस मायने में, भाजपा एक अनूठी पार्टी है। इसलिए नहीं कि वह पूर्णता का दावा करती है, बल्कि इसलिए कि उसने एक ऐसी संस्कृति विकसित की है जो नेतृत्व अर्जित करने पर जोर देती है। भारत के सार्वजनिक जीवन में यही वह खूबी है जिसे बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि यह सत्ता को जवाबदेही से और महत्वाकांक्षा को सेवा से जोड़ती है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

योगी का गन्ना मंत्र, किसानों को राहत और सहयोगियों संग चुनावी तालमेल की मिठास

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए गन्ने के दाम में तीस रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कर दी है। अब अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य चार सौ रुपये और सामान्य प्रजाति का मूल्य तीन सौ नब्बे रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी नए समीकरणों की आहट दे रहा है। इस एक फैसले से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान वर्ग, सहयोगी दलों और उद्योग जगत तीनों को साधने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खेतों से लेकर पूर्वांचल के गांवों तक इस घोषणा ने चर्चा का माहौल बना दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब प्रदेश में पंचायत चुनावों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और 2027 के विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट भी तेज होती दिख रही है।

गन्ना, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की जान कहा जा सकता है। यह सिर्फएक फसल नहीं बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका का आधार है। प्रदेश में करीब 29.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर गन्ना बोया जाता है और 122 से अधिक चीनी मिलें इसका प्रसंस्करण करती हैं। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से गन्ना किसानों को लगभग तीन हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। योगी सरकार का दावा है कि 2017 से अब तक उसने चार बार गन्ना मूल्य बढ़ाया है और इस अवधि में किसानों को लगभग दो लाख नब्बे हजार करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया है, जो पिछली दो सरकारों के संयुक्त भुगतान से कहीं अधिक है। इस आंकड़े के पीछे सरकार का उद्देश्य साफहै किसानों के बीच भरोसे का माहौल बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना।

राजनीतिक तौर पर देखें तो यह कदम बेहद रणनीतिक है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों का वोट बैंक बेहद प्रभावी माना जाता है। मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर, बागपत, शामली जैसे जिलों में गन्ना किसानों की भूमिका निर्णायक होती है। 2007 में जब किसान बसपा की ओर झुके, तब मायावती सत्ता में आईं। 2012 में उन्होंने समाजवादी पार्टी का रुख किया तो अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद समीकरण बदले और किसान भाजपा के साथ खड़े दिखे। 2014 और 2017 में भाजपा ने इस समर्थन का पूरा लाभ उठाया। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में गन्ना बकाया और भुगतान में देरी के मुद्दे ने असर दिखाया और भाजपा की कई सीटें खतरे में आईं। उसके बाद किसान आंदोलन ने पश्चिमी यूपी की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। इस बार योगी सरकार ने समय रहते गन्ना मूल्य वृद्धि करके उसी भरोसे को फिर से मजबूत करने की कोशिश की है।

इस फैसले का असर सिर्फकिसानों तक सीमित नहीं रहेगा। भाजपा के सहयोगी दल जैसे राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (एस) और सुभासपा को भी यह फैसला साधता दिखता है। आरएलडी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि योगी सरकार ने गन्ने की मिठास और किसानों की मेहनत का मान रखा है। इसी तरह सुभासपा और अपना दल (एस) ने भी सरकार की सराहना की है। यह संदेश साफहै कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ तालमेल को मजबूत करने में लगी है ताकि आने वाले चुनावों में विपक्ष को एकजुट होने का मौका न मिले। पश्चिमी यूपी में आरएलडी की पकड़ मजबूत है और किसान वर्ग में उसका प्रभाव भी। ऐसे में सरकार का यह कदम राजनीतिक दृष्टि से दोहरा फायदा देता है किसान खुश और सहयोगी दल संतुष्ट।

गन्ना नीति को लेकर योगी सरकार की दिशा पिछले कुछ वर्षों में काफी स्पष्ट रही है। सरकार ने बकाया भुगतान को लेकर लगातार निगरानी रखी है, चीनी मिलों पर दबाव बनाया है और 'स्मार्ट गन्ना किसान' जैसी ऑनलाइन प्रणाली शुरू की है, जिससे गन्ना पर्ची और भुगतान की प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है। अब किसान का भुगतान सीधे डीबीटी के जरिए खाते में पहुंचता है। बिचौलियों का प्रभाव लगभग खत्म हुआ है। सरकार ने यह भी बताया है कि अब तक 42 चीनी मिलों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा चुकी है, छह बंद मिलों को दोबारा चालू किया गया है और चार नई मिलें स्थापित की गई हैं। इन कदमों से प्रदेश में बारह हजार करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे गन्ना उद्योग में रोजगार के नए अवसर भी बढ़े हैं।

इथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान बनाया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है और आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो गई है। इससे न सिर्फकिसानों को नई आमदनी के रास्ते खुले हैं, बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र को भी बल मिला है। सरकार के अनुसार, दो चीनी मिलों में अब सीबीजी संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं ताकि गन्ने के अपशिष्ट से जैव ऊर्जा का उत्पादन हो सके। इस तरह योगी सरकार गन्ना नीति को केवल मूल्य वृद्धि तक सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि इसे ऊर्जा, निवेश और आत्मनिर्भरता के बड़े लक्ष्य से जोड़ रही है।

हालांकि, विपक्ष इस फैसले को चुनावी दांव करार दे रहा है। समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह का कहना है कि महंगाई के अनुपात में यह वृद्धि पर्याप्त नहीं है और सरकार किसानों के साथ छल कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी कहा कि दाम बढ़ाना अच्छा है, लेकिन 400 रुपये के पार जाना चाहिए था ताकि महंगाई की भरपाई हो सके। इन आलोचनाओं के बावजूद, यह भी सच है कि योगी सरकार के कार्यकाल में अब तक गन्ने के मूल्य में कुल 85 रुपये की वृद्धि हुई है, जबकि मायावती और अखिलेश यादव की संयुक्त दस वर्षों की अवधि में यह वृद्धि मात्र 65 रुपये रही थी।

गन्ने की मिठास में छिपी राजनीति को समझना आसान नहीं। यह फसल पश्चिमी यूपी के साथ-साथ पूर्वांचल में भी आर्थिक-सामाजिक प्रभाव रखती है। माना जाता है कि प्रदेश की लगभग 180 विधानसभा सीटों पर गन्ना किसानों का सीधा प्रभाव है। ऐसे में योगी सरकार का यह फैसला चुनावी समीकरणों को सीधे प्रभावित करेगा। यदि किसानों के बीच यह संदेश जाता है कि सरकार ने उनके हित में काम किया है और बकाया भुगतान समय पर हुआ है, तो यह भाजपा के लिए बड़े राजनीतिक लाभ में बदल सकता है।इसके साथ ही सरकार ने हाल में फॉस्फेटिक और पोटासिक उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाने का निर्णय भी लिया है। लगभग 37,952 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के साथ यह कदम किसानों को सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खाद समय पर उपलब्ध कराने के लिए उठाया गया है। इससे गन्ने की उत्पादकता और लागत पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर, योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय एक साथ कई मोर्चों को साधने वाला है। इससे जहां किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की छवि मजबूत होगी। सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने की रणनीति और उद्योग में निवेश को बढ़ावा देने की नीति, दोनों का मेल इस फैसले में साफ झलकता है। गन्ना उत्तर प्रदेश की राजनीति का ऐसा घटक है जो हर चुनाव में स्वाद बदल देता है। इस बार योगी सरकार ने उसी मिठास को अपने पक्ष में करने की ठोस कोशिश की है। अगर आने वाले महीनों में बकाया भुगतान की स्थिति नियंत्रण में रहती है और किसान वाकई इस बढ़ोतरी का लाभ महसूस करते हैं, तो यह फैसला भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।गन्ने की बढ़ी हुई कीमत के साथ किसानों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। यह फैसला केवल आर्थिक राहत नहीं बल्कि राजनीतिक संदेश भी है कि योगी सरकार ग्रामीण उत्तर प्रदेश को अपनी प्राथमिकता में रखे हुए है। अब देखना यह होगा कि यह मिठास कितनी दूर तक असर दिखाती है सिर्फखेतों तक या फिर विधानसभा तक।

और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी

हरिशंकर व्यास

नीतीश सरकार की कराई जाति गणना के बाद बिहार में पहला चुनाव है। यह चुनाव कई तरह से राजनीति को बदलने वाला है। आखिरी बार अंग्रेजी राज में 1931 में जाति गणना हुई थी और उसके बाद भी जातियों का ध्रुवीकरण नए तरह से हुआ था। उस समय कांग्रेस के सवर्ण नेतृत्व के खिलाफ यादव, कोईरी और कुर्मी का त्रिवेणी संघ बना था, जिसने 1937 के चुनाव में कई इलाकों में कांग्रेस को हरा दिया था। हालांकि कांग्रेस के मजबूत संगठन, आजादी की लड़ाई के बड़े लक्ष्य और अगड़ी जातियों की ओर से हुए अति हिंसक प्रतिरोध की वजह से त्रिवेणी संघ आगे नहीं चल सका। उसके बाद अब पहली बार जातियां गिनी गई हैं और चुनाव हो रहा है। इस चुनाव में जातियों का नया ध्रुवीकरण तो दिख ही रहा है साथ ही आबादी के हिसाब से छोटी से छोटी जाति भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए बड़ी जातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती दिख रही है।

पटना में गुरुवार, 23 अक्टूबर को अशोक गहलोत द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करने के साथ ही मल्लाह जाति से आने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करना इसी राजनीति का नमूना है। राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने 'सन ऑफ मल्लाह' के नाम से अपनी ब्रांडिंग करने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार बना कर अत्यंत पिछड़ी जातियों को मैसेज दिया है कि महागठबंधन के साथ उनको सत्ता में हिस्सेदारी मिलेगी। अति पिछड़ी जाति के प्रतिनिधि चेहरे के तौर पर मुकेश सहनी के अलावा आईपी गुप्ता का चेहरा भी सामने लाया गया है। महागठबंधन ने उनको सहरसा की सीट दी है। वे तांती समाज से आते हैं। उन्होंने तांती, तंतवा को एक व्यापक पान समाज के रूप में पहचान दिलाने का आंदोलन छेड़ा है।

करीब 25 लाख की आबादी वाले इस समाज के लोगों ने आईपी गुप्ता की अपील पर पटना का गांधी मैदान भर दिया था। यह शुरुआत है। आने वाले दिनों में ऐसी जातियों की संख्या बढ़ेगी, जिनके नेता सामने आकर जाति को पहचान दिलाने का आंदोलन शुरू करेंगे। बिहार में जाति गणना के मुताबिक 36 फीसदी आबादी अति पिछड़ी जातियों की है, जिसमें 26 फीसदी हिंदू अति पिछड़ी जातियां हैं। इस 26 फीसदी आबादी में कुल 80 जातियां आती हैं, जिनमें से सिर्फ तीन जातियां ऐसी हैं, जिनकी आबादी दो फीसदी से ज्यादा है। लेकिन इन दो फीसदी वाली जातियों के साथ साथ बाकी जातियां भी अपने प्रतिनिधित्व के लिए लड़ रही हैं। देश के कई राज्यों में जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण पहले हो चुका है और उनकी लड़ाई सेटल हो चुकी है। लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अब जाकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की जंग शुरू हुई है। आने वाले दिनों में हर जाति की पार्टी बनेगी। उसके नेता राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदारी मांगेंगे।

बहरहाल, टिकटों की घोषणा से पहले राहुल गांधी ने पटना जाकर अति पिछड़ा समुदाय के सशक्तिकरण का एक घोषणापत्र जारी किया था। चुनाव के लिए गठबंधन का घोषणापत्र बाद में जारी होगा लेकिन ईबीसी का घोषणापत्र स्वंय राहुल गांधी ने जारी किया था। सो, एक समुदाय के रूप में अति पिछड़ा को साधने का प्रयास चल रहा है। यह प्रयास दोनों तरफ से हो रहा है। 2020 के चुनाव के बाद जब सरकार बनी तब भाजपा ने नोनिया समाज से आने वाली अति पिछड़ी जाति की रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया था। भाजपा की ओर से लगातार इस बात का प्रचार किया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अति पिछड़ी जाति से आते हैं। चूंकि यह समुदाय एक समरूप समाज नहीं है इसलिए इनका कोई सर्वमान्य नेता नहीं है तो नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार को इसका लाभ मिलता रहा है।

ईपीएफओ के भविष्य के लिए नया अध्याय लिखें; संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ें : डॉ. मांडविया

केंद्रीय श्रम मंत्री ने कर्मचारी नामांकन योजना 2025 का शुभारम्भ किया

ईपीएफओ ने अपना 73वां स्थापना दिवस मनाया

पीआईबी।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अपना 73वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रम एवं रोजगार सचिव सुश्री वंदना गुरनानी, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (सीपीएफसी) श्री रमेश कृष्णमूर्ति, केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के सदस्य, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, ईपीएफओ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डॉ. मनसुख मांडविया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए देश के कार्यबल की सामाजिक और वित्तीय कल्याण सुनिश्चित करने में ईपीएफओ की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की। उन्होंने संगठन से आग्रह किया कि वह नए उद्देश्य और दूरदर्शिता के साथ ÷नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण में एक नया अध्याय लिखे।÷

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷ईपीएफओ केवल एक कोष नहीं है–यह सामाजिक सुरक्षा में देश के कार्यबल के भरोसे का प्रतिनिधित्व करता है। इस स्थापना दिवस के अवसर पर, यह सभी अधिकारियों को नई प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान करेगा, और आने वाले वर्षों के लिए एक विज़न तैयार करने के लिए प्रेरित करेगा। यह विज़न ईपीएफओ की संकल्प से सिद्धि की यात्रा का मार्गदर्शन करेगा।÷

डॉ. मांडविया ने ज़ोर देकर कहा कि दक्षता, पारदर्शिता और सहानुभूति ईपीएफओ के परिवर्तन की प्रेरक शक्तियां बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, ÷हर सुधार स्पष्ट और सरल शब्दों में कर्मचारियों तक पहुंचना चाहिए ताकि बदलाव का असर उनके जीवन में सीधे महसूस हो।÷ अधिकारियों से व्यावसायिक दक्षता और करुणा के माध्यम से विश्वास बनाए रखने का आह्वान करते हुए, उन्होंने कहा, ÷ईपीएफओ को सेवा वितरण में निष्पक्षता, गति और संवेदनशीलता सुनिश्चित करके नागरिकों का विश्वास मज़बूत करना जारी रखना चाहिए। आइए, हम विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ते हुए सामाजिक सुरक्षा में वैश्विक मानक स्थापित करें।÷

अपने संबोधन में, सचिव (श्रम एवं रोजगार) सुश्री वंदना गुरनानी ने ईपीएफओ के एक अनुपालन-आधारित निकाय से एक नागरिक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित होने की सराहना की। उन्होंने कहा, ÷हर फ़ाइल के पीछे एक समर्पित कर्मचारी, एक परिवार और एक सपना छिपा होता है। प्रत्येक कर्मचारी के साथ पूर्ण सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए, क्योंकि सामाजिक सुरक्षा केवल व्यवस्थाओं से संबंधित नहीं है, बल्कि लोगों से संबंधित है।÷

उन्होंने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) के क्रियान्वयन में ईपीएफओ की केंद्रीय भूमिका को सराहा जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को की थी। उन्होंने कहा, ÷इस दूरदर्शी कार्यक्रम का उद्देश्य 3.5 करोड़ नए रोजगारों को प्रोत्साहित करना और सभी क्षेत्रों में औपचारिक रोजगार का विस्तार करना है। इस पहल में ईपीएफओ का नेतृत्व, इसकी संस्थागत शक्ति में सरकार के विश्वास को दर्शाता है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि ईपीएफओ को सामाजिक सुरक्षा से राष्ट्रीय समृद्धि की ओर अपनी यात्रा जारी रखनी चाहिए और ÷एक आत्मविश्वासी, संवेदनशील और विकासशील भारत का एक मज़बूत स्तंभ÷ बनना चाहिए।

केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त श्री रमेश कृष्णमूर्ति ने दक्षता, पारदर्शिता और सुधार के प्रति ईपीएफओ की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ÷केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली, आधार और चेहरा प्रमाणीकरण, और संशोधित ईसीआर प्रणाली जैसी पहलों के माध्यम से ईपीएफओ ने निर्बाध और तकनीक-संचालित सेवा वितरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।÷

श्री कृष्णमूर्ति ने बताया कि आगामी ईपीएफओ 3.0 प्लेटफॉर्म कार्यकुशलता और सुगमता को और बेहतर बनाएगा। साथ ही सरलीकृत निकासी श्रेणियों और विश्वास योजना जैसी नई पहलों ने नियोक्ताओं के लिए अनुपालन को आसान बनाया है। उन्होंने यह भी कहा, ÷हमारा ध्यान विश्वास को मज़बूत करने, ईपीएफओ सदस्यता का विस्तार करने और यह सुनिश्चित करने पर है कि प्रत्येक कर्मचारी ईपीएफओ को प्रगति में एक भागीदार के रूप में अनुभव करे।÷

इस अवसर पर, डॉ. मांडविया ने कर्मचारी नामांकन योजना 2025 का शुभारम्भ किया, जिसका उद्देश्य नियोक्ताओं को पात्र कर्मचारियों की स्वेच्छा से घोषणा और नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना है। 1 नवंबर 2025 से लागू होने वाली इस योजना के तहत, यदि पहले कटौती नहीं की गई है, तो नियोक्ताओं को कर्मचारी के हिस्से का अंशदान वापस करने की आवश्यकता नहीं होगी, और केवल 100 रूपये का नाममात्र दंडात्मक हर्जाना लागू होगा। इस योजना का उद्देश्य कार्यबल के औपचारिकीकरण और व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ावा देना है।

डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम के दौरान, ईपीएफओ की यात्रा और उपलब्धियों पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक ÷स्टेट प्रोफाइल 2025÷ और ÷रीइमेजिनिंग गवर्नेंस÷ का भी विमोचन किया। इस अवसर पर एक विशेष डाक कवर का भी अनावरण किया गया।

ईपीएफओ ने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) और डेटा साझा करने के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन और नवाचार के लिए क्षेत्रीय, जोनल और जिला कार्यालयों को भविष्य निधि पुरस्कार 2025 प्रदान किए गए। इस समारोह में ईपीएफओ अधिकारियों, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधिकारियों, बहुपक्षीय संस्थानों, बैंकों और मीडिया के प्रतिनिधियों सहित 700 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस समारोह का समापन ईपीएफओ के सरलीकृत, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-सक्षम सामाजिक सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने के मिशन की पुनः पुष्टि के साथ हुआ, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत के विज़न में योगदान देगा।

श्री राज कुमार अरोड़ा ने वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) का पदभार संभाला

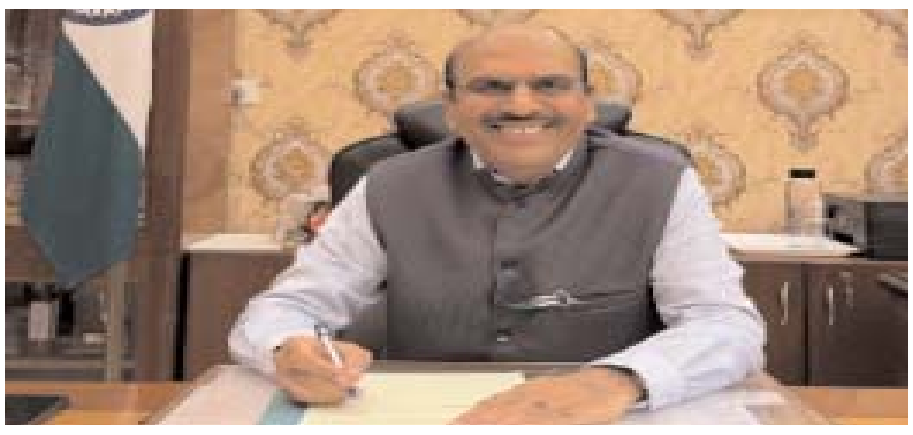

पीआईबी

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) के 1990 बैच के अधिकारी श्री राज कुमार अरोड़ा ने 1 नवंबर, 2025 को वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) [एफएडीएस] का पदभार ग्रहण किया।

श्री अरोड़ा को रक्षा अधिग्रहण, वित्तीय नीति, लेखांकन, लेखा परीक्षा, बजट और कार्मिक प्रबंधन के क्षेत्रों में गहरा अनुभव है। इस नियुक्ति से पहले, श्री अरोड़ा रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने भारत सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में अपर सचिव, रक्षा मंत्रालय के अधिग्रहण विभाग में वित्त प्रबंधक (वायु) और वित्त मंत्रालय में निदेशक शामिल हैं।

उन्होंने पूर्ववर्ती आयुध फैक्ट्री बोर्ड में सदस्य (वित्त) के रूप में तथा रक्षा लेखा विभाग के विभिन्न कमानों और क्षेत्रीय कार्यालयों में एकीकृत वित्तीय सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है।

आसियान के साथ हमारी रणनीतिक भागीदारी इस साझा विश्वास पर आधारित है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव मुक्त रहना चाहिए : रक्षामंत्री

भारत महासागर की भावना के अनुरूप संवाद, साझेदारी और व्यावहारिक सहयोग के माध्यम से रचनात्मक योगदान को जारी रखने के लिए तैयार है।: श्री सिंह

पीआईबी

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 01 नवंबर, 2025 को मलेशिया के कुआलालंपुर में 12वें एडीएमएम-प्लस कार्यक्रम में कहा, ÷विधि के शासन पर भारत का जोर विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, और भारत-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा के लिए है।÷ 'एडीएमएम-प्लस के 15 वर्षों पर चिंतन और आगे का रास्ता तैयार करना' विषय पर मंच को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि आसियान के साथ भारत का रणनीतिक जुड़ाव सिर्फ लेन-देन का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-चालित है और यह इस साझा विश्वास पर आधारित है कि भारत-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव से मुक्त रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मलेशिया की अध्यक्षता में ÷समावेशीपन और स्थिरता÷ पर ज़ोर देना सामयिक और प्रासंगिक है और सुरक्षा में समावेशिता का अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि आकार या क्षमता की परवाह किए बिना सभी राष्ट्रों की क्षेत्रीय व्यवस्था को आकार देने और उससे लाभ प्राप्त करने में भूमिका हो। श्री सिंह ने कहा कि स्थिरता का तात्पर्य ऐसे सुरक्षा ढांचे का निर्माण करना है जो झटकों के प्रति लचीले हों, उभरते खतरों से निपटने में सक्षम हो और अल्पकालिक संरेखण के बजाय दीर्घकालिक सहयोग पर आधारित हों। उन्होंने कहा, ÷भारत के लिए ये सिद्धांत उसके अपने रणनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। हिंद-प्रशांत के लिए भारत का सुरक्षा दृष्टिकोण रक्षा सहयोग को आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी साझाकरण और मानव संसाधन उन्नति के साथ एकीकृत करता है। सुरक्षा, विकास और स्थिरता के बीच अंतर्संबंध, आसियान के साथ साझेदारी के प्रति भारत के दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं।÷ श्री राजनाथ सिंह ने एडीएमएम-प्लस को भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक अनिवार्य घटक बताते हुए कहा कि आसियान और प्लस देशों के साथ रक्षा सहयोग को क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और क्षमता निर्माण में योगदान के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा, ÷एडीएमएम-प्लस अपने 16वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और भारत मतभेदों के बजाय संवाद को बढ़ावा देने तथा शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने वाले क्षेत्रीय तंत्रों को मज़बूत करने हेतु आपसी हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए तैयार है। पिछले पंद्रह वर्षों का अनुभव स्पष्ट सबक देता है कि समावेशी सहयोग कारगर है, क्षेत्रीय स्वामित्व वैधता का निर्माण करता है और सामूहिक सुरक्षा व्यक्तिगत संप्रभुता को मज़बूत करती है।

हैदराबाद में वेव्स एनिमेशन बाज़ार और आठवें इंडियाजॉय 2025 का उद्घाटन

हैदराबाद को जल्द ही इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी मिलेगा: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू

पीआईबी

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू ने शनिवार को घोषणा की कि गेमिंग, एनिमेशन और डिजिटल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के विकास को और मज़बूत करने के लिए हैदराबाद को जल्द ही इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) का क्षेत्रीय केंद्र मिलेगा।

श्री संजय जाजू ने एचआईसीसी, हिटेक्स में वेव्स एनिमेशन बाज़ार और आठवें इंडियाजॉय 2025 को संबोधित किया। श्री संजय जाजू ने कहा, ÷देश में अपनी तरह का पहला इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी पूरे भारत में स्थापित किया जाएगा, और इसका एक कैंपस जल्द ही हैदराबाद में बनेगा।÷ तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के योगदान और एवीजीसी सेक्टर को बढ़ावा देने में तेलंगाना सरकार के प्रयासों पर बल देते हुए श्री संजय जाजू ने कहा कि हैदराबाद भारत के एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) इकोसिस्टम के हब के रूप में अपनी स्थिति को मज़बूत कर रहा है। इससे देश की क्रिएटिव इकोनॉमी को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा, ÷भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर तेज़ी से बढ़ रहा है, जो देश की सॉफ्ट पावर की ज़रूरी अभिव्यक्ति है।÷

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई वेव्स पहल के बारे में बात करते हुए, श्री संजय जाजू ने कहा कि यह भारत को क्रिएटिविटी और डिजिटल इनोवेशन में ग्लोबल लीडर के रूप में देखती है। उन्होंने कहा, ÷दक्षिण भारत, खासकर हैदराबाद, भारतीय सिनेमा और क्रिएटिव टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। हैदराबाद से कई पैन-इंडिया फिल्में बनाई गई हैं, जिन्हें वर्ल्ड-क्लास स्टूडियो और ऐसी पॉलिसी फ्रेमवर्क का सपोर्ट मिला है जो इनोवेशन और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है,÷ श्री संजय जाजू ने कहा कि, जिस तरह आईपीएल ने भारतीय क्रिकेट को बदल दिया, उसी तरह वेव्स पहल क्रिएटिविटी को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़कर और सहयोग और इनोवेशन के लिए ग्लोबल प्लेटफॉर्म बनाकर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में क्रांति लाने के लिए तैयार है। मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर में स्टार्टअप इनक्यूबेशन और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) और T-Hub के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। श्री संजय जाजू ने इस कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर, कंटेंट क्रिएटर्स को खरीदारों और ओटीटी प्लेटफॉर्म से जोड़ने वाला ऑनलाइन मार्केटप्लेस वेव्स बाज़ार लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य क्रिएटर्स को उनके काम से पैसे कमाने और इंडस्ट्री की ग्रोथ को तेज़ करने के लिए सशक्त बनाना है।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस पर रायपुर नगर निगम मुख्यालय भवन और सभी 10 जोन कार्यालयों में निगम अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से ली राष्ट्रीय एकता शपथ 0

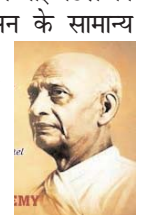

रायपुर - आज लौह पुरुष भारत गणराज्य के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयन्ती पर छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के भूतल पर महात्मा गाँधी की मूर्ति के समक्ष नगर निगम अपर आयुक्त श्रीमती कृष्णा खटिक ने नगर निगम रायपुर मुख्यालय भवन में नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को उपायुक्त श्री मोनेश्वर शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता श्री रघुमणि प्रधान की उपस्थिति में राष्ट्रीय एकता दिवस पर सामूहिक शपथ दिलवाई. रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों को जोन कमिश्नरों द्वारा कार्यपालन अभियंताओं की उपस्थिति में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ दिलवाई गयी।

हिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना

पीआईबी। भारत का सूचना संलयन केंद्र ङ्क हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) 03 से 05 नवंबर, 2025 तक अपने प्रमुख कार्यक्रम ÷समुद्री सूचना साझाकरण कार्यशाला (एमआईएसडब्ल्यू-2025)÷ के तीसरे संस्करण की मेजबानी गुरुग्राम में करने जा रहा है। ÷हिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना÷ विषय पर आधारित यह कार्यक्रम एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में उभरेगा, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सहयोगात्मक तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित है।

एमआईएसडब्ल्यू के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना भारत के 'क्षेत्रों में सुरक्षा एवं विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति' दृष्टिकोण के अनुरूप, सूचना संलयन केंद्र ङ्क हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) विभिन्न कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनमें सबसे

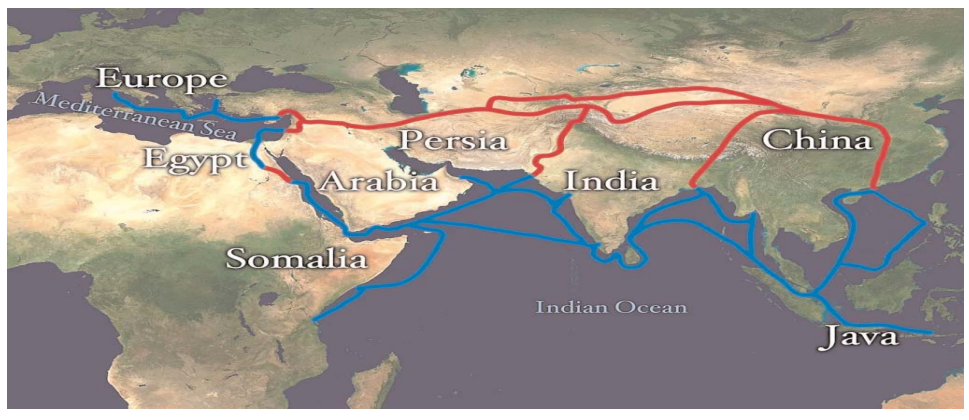

प्रमुख है समुद्री सूचना साझाकरण कार्यशाला (एमआईएसडब्ल्यू)। एमआईएसडब्ल्यू का पहला संस्करण 2019 में आयोजित किया गया था और अपनी स्थापना के बाद से यह एक प्रमुख परिचालन मंच के रूप में विकसित हुआ है। यह मंच दुनिया भर के कार्य-स्तर के पेशेवरों को एक साथ लाकर सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के आदान-प्रदान, अंतर-संचालन को सुदृढ़ करने और विश्वास-आधारित सूचना साझाकरण को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। एमआईएसडब्ल्यू केवल संवाद का मंच नहीं है, यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री खतरों – जैसे समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट, मादक पदार्थों की तस्करी, अनियमित मानव प्रवासन, और वैश्विक समुद्री व्यापार को प्रभावित करने वाली अन्य चुनौतियों – के प्रति सामूहिक व समन्वित प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करता है। इस प्रकार एमआईएसडब्ल्यू न केवल समुद्री सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करता है, बल्कि एक सुरक्षित, स्थिर और समावेशी समुद्री वातावरण के निर्माण की दिशा में भी ठोस योगदान देता है।

बातचीत से कार्रवाई तक: एमआईएसडब्ल्यू 2025 एक नया रास्ता दिखाता है एमआईएसडब्ल्यू-25 अब 03 से 05 नवंबर 2025 तक आयोजित होने वाला साझेदार देशों और क्षेत्रीय संगठनों के साथ सामरिक सहयोग और सहभागिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वर्ष की कार्यशाला का विषय ÷हिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना÷ भागीदार देशों के साझा दृष्टिकोण और सामूहिक प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करता है। एमआईएसडब्ल्यू-25 केवल संवाद का माध्यम भर नहीं है; यह उभरते गैर-पारंपरिक समुद्री खतरों का मुकाबला करने में सूचना और प्रौद्योगिकी के परिचालन उपयोग पर केंद्रित एक व्यावहारिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। इस संस्करण में क्षेत्रीय संगठनों के लिए विशेष सत्र तथा आईएफसी-आईओआर में एक समापन टेबल-टॉप अभ्यास आयोजित किया जाएगा, जो भारत की महासागरीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और सुरक्षित, लचीले एवं सहयोगात्मक समुद्री भविष्य की दिशा में उसके निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है। कार्यशाला का उद्घाटन नौसेना उप प्रमुख (डीसीएनएस) वाइस एडमिरल तरुण सोबती करेंगे, जबकि शिपिंग महानिदेशक के अतिरिक्त महानिदेशक श्री सुशील मानसिंह खोपड़े, आईपीएस मुख्य भाषण देंगे। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 30 देशों के समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञ भाग लेंगे, जिनमें हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए), जिबूती आचार संहिता/जेद्दा संशोधन (डीसीओसी/जेए) तथा बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कलेक्टर ने स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक ली

राज्योत्सव के अवसर पर जिले में तीन दिवसीय कार्यक्रम का होगा आयोजन

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा होंगे मुख्य अतिथि

2 से 4 नवम्बर तक शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में होंगे विविध कार्यक्रम

जांजगीर- चांपा /

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 02 से 04 नवम्बर 2025 तक 03 दिवसीय कार्यक्रम शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा होंगे।

कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि जांजगीर-चांपा लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े होंगे। विशिष्ट अतिथि विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, विधायक अकलतरा श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सत्यलता आनंद मिरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, नगर पालिका परिषद चांपा अध्यक्ष श्री प्रदीप नामदेव होंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की रूपरेखा –

राज्योत्सव के अवसर पर जिले में 02 से 04 नवम्बर तक सायं 4 बजे से 6 बजे तक शालेय छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुति, सायं 6 बजे से रात्रि 8 बजे स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही 02 नवम्बर को रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री देवेश शर्मा (जय अम्बे जागरण ग्रुप) की प्रस्तुति, 03 नवम्बर को रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री सुनील सोनी की प्रस्तुति, 4 नवम्बर को रात्रि 8 बजे से 09 बॉलीवुड बैंड बिलासपुर की प्रस्तुति एवं रात्रि 9 बजे से 10 बजे तक छत्तीसगढ़ी कलामंच लोकरंग अर्जुन्दा द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

एक रहेंगे नेक रहेंगे संकल्प के साथ क्षत्रिय परिवारिक मिलन समारोह संपन्न

जांजगीर चांपा /

सिद्ध शक्ति पीठ चण्डी दाई तीरथ धाम ग्राम महंत में आंवला नवमी के अवसर पर चण्डी दाई की असीम कृपा से क्षत्रिय परिवार ग्राम महंत के प्रतिनिधियों द्वारा राजपूत क्षत्रिय परिवारिक मिलन समारोह एवं आंवला नवमी प्रसाद का आयोजन किया ।

इसमें क्षत्रिय समाज के लगभग प्रायः सभी ग्रामों के राजपूत क्षत्रिय प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को एक रहेंगे नेक रहेंगे की भावना को चरितार्थ करते हुए समाज को एक नई दिशा प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। कार्यकम का शुभारंभ सिद्ध शक्ति पीठ चण्डी दाई एवं भगवान लक्ष्मी नारायण के प्रतीक आंवले के पौधे की पूजा अर्चना के साथ हुआ इस अवसर पर समस्त क्षत्रिय सदस्यों के अपने अपने ग्रामों की पूर्वजों के संस्कारों एवं कर्तव्यों का स्मरण करते हुए अपने सुनहरे अतीत की चर्चा करते हुए सुखद अनुभूति का अहसास कराया । इसके साथ ही सभी ने अपने सार्वजनिक दायित्वों के प्रति निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया एवं सभी ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने पूर्वजों के ऋणी हैं जिन्होंने हमें संस्कार दिया कि हम जहां भी रहें अपने परिवार की परम्पराओं एवं संस्कारों का निर्वहन करते हुए अपने क्षत्रिय परिवार की गरिमा को कायम रखने का हर पल प्रयास करते रहेंगे एवं वर्तमान परिस्थिति में अपने युवा पीढ़ियों को सशक्त मार्गदर्शन प्रदान करते हुए समर्पित भाव से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने एवं अपने पूर्वजों के बताए रास्तों पर ,कार्य करने की राह प्रशस्त करने में अपनी प्रत्यक्ष भूमिका का निर्वहन करेंगे ।इन्हीं विषयों को समाहित करते हुए चण्डी दाई की कृपा से समस्त क्षत्रिय परिवार महंत परिवार की गरिमामय उपस्थिति में समारोह का सफल आयोजन हुआ , जिसमें क्षत्रिय परिवार के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन , युवा शक्तियों के जोश एवं मातृ शक्तियों ने अपने स्नेह एवं आशीर्वाद से राजपूत क्षत्रिय परिवारिक मिलन समारोह एवं आंवला नवमी प्रसाद को सफल बनाया ।इस अवसर पर दोपहर 1 बजे से चण्डी दाई मंदिर के अन्नपूर्णा रसोई में प्रसाद प्रारंभ हुआ जो संध्या 6 बजे तक जारी रहा समारोह का समापन सिद्ध शक्ति पीठ चण्डी की सांध्य आरती उपरांत सम्पन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव पर छत्तीसगढ़वासियों को मिला तोहफा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से हुआ 3.51 लाख पीएम आवास का गृह प्रवेश

जांजगीर-चांपा जिले के 15 हजार से अधिक परिवारों ने किया गृह प्रवेश

जांजगीर चांपा / छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर आज खुशियों की नई सौगात मिली। नवा रायपुर अटल नगर स्थित राज्योत्सव स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पूरे प्रदेश के 3 लाख 51 हजार से अधिक हितग्राहियों को सामूहिक गृह किया। जांजगीर-चांपा जिले में भी इस कार्यक्रम के तहत 15 हजार से अधिक परिवारों ने अपने सपनों के घर में प्रवेश किया।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में यह आयोजन उत्सव की तरह मनाया गया। नवनिर्मित घरों में रंगोली, दीप प्रज्ज्वलन और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गृह प्रवेश किया गया। प्रत्येक हितग्राही को खुशियों की चाबी सौंपी गई। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 15 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। यह आयोजन न केवल छत्तीसगढ़ की 25वीं वर्षगांठ को यादगार बना गया, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को भी साकार कर गया।

देवउठनी एकादशी पर गौ पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

भारतीय कुष्ठ निवारक संघ गौशाला, कात्रेनगर (चांपा) में श्रद्धा और भक्ति का भावपूर्ण आयोजन

चांपा। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर भारतीय कुष्ठ निवारक संघ गौशाला, कात्रेनगर में एक भव्य और श्रद्धामय गौ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीणजन और आश्रम से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण और वेदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिसके पश्चात गौमाता की पूजा-अर्चना कर उपस्थित जनों ने गौसेवा और ग्राम उत्थान का संकल्प लिया।

÷गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। जिस घर, गांव और समाज में गौ सेवा होती है, वहाँ समृद्धि और शांति का वास होता है।÷ उन्होंने बताया कि देवउठनी एकादशी का यह दिन भगवान विष्णु के शयन से जागने का प्रतीक है, और इस दिन से शुभ कार्यों की शुरुआत होती है। ऐसे में गौ पूजन का विशेष महत्व है, क्योंकि गौमाता को देवी-देवताओं का निवास स्थल माना गया है।

कार्यक्रम में श्री लोमसराम साहू, श्री लक्ष्मी नारायण साहू, श्री घनश्याम तिवारी, श्री दिनेश सिंह चंदेल, श्री ललित देवांगन सहित आश्रम से जुड़े अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से गौ माता की आरती की और उन्हें चारा, गुड़, पुष्प तथा जल अर्पित कर नमन किया।

गौशाला परिसर में वातावरण भक्ति और सेवा भावना से ओतप्रोत रहा। गौ सेवा से जुड़े स्वयंसेवकों ने उपस्थित जनों को बताया कि गाय न केवल धार्मिक दृष्टि से पूजनीय है, बल्कि कृषि, पर्यावरण और ग्राम्य अर्थव्यवस्था की आधारशिला भी है। गाय के माध्यम से गाँव आत्मनिर्भर बन सकता है – यही भारतीय कुष्ठ निवारक संघ का मूल संदेश है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि गौशाला में नियमित रूप से सेवा, चारा वितरण, चिकित्सा और संरक्षण की गतिविधियाँ चलती हैं। आने वाले समय में इस दिशा में और अधिक विस्तार एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अंत में सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से ÷गाय है संस्कृति की जड़, गाँव की आत्मा और खेतों की माँ – गौ सेवा ही ग्राम सेवा है।÷ के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

भाजपा जिला महामंत्री सौरभ कोठारी का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री सौरभ कोठारी का जन्म दिवस आज उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शुभचिंतकों और पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें बधाई देने का तांता लगा रहा। भाजपा कार्यालय राजनांदगांव में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा (पप्पू) चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष पश्चिम मनोज साहू, मंडल अध्यक्ष पूर्व खिलेश्वर साहू, रमेश (पप्पू) चंद्राकर एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने सौरभ कोठारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके स्वस्थ, सफल और दीर्घायु जीवन की कामना की तथा संगठन में उनके सक्रिय योगदान की सराहना की।

निधन – महादेव सिंह

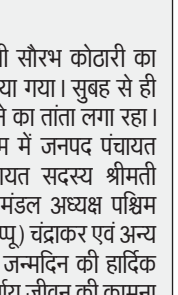

जांजगीर चांपा / क्षत्रिय परिवार ग्राम महंत के वरिष्ठ प्रतिनिधि श्री महादेव सिंह का दिनांक 1 नवंबर शनिवार को देहावसान हो गया है ,जिनका अंतिम संस्कार रानी पारा जांजगीर स्थित मुक्ति धाम में किया गया । इस अवसर पर राजपूत क्षत्रिय परिवार के सदस्यों ने उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार जनों को संबल प्रदान किया स्वर्गीय महादेव सिंह अपने पीछे दो पुत्र एवं दो पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

विद्युत ऊर्जा : रजत वर्ष में स्वर्ण काल की तैयारी

विद्युत से विकास का गढ़ बना छत्तीसगढ़

विद्युत ऊर्जा से संवरता छत्तीसगढ़

विकास शर्मा प्रबंधक

(जनसंपर्क एवं औद्योगिक संबंध)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

रायपुर राज्य स्थापना की रजत जयंती के उत्साह के बीच प्रदेश के विकास को विभिन्न पैमानों पर मापा जा रहा है। यह स्वाभाविक भी है कि वर्तमान की जेन ङ्क जी और जेन ङ्क अल्फा को पता होना चाहिए कि उल्लास के पीछे का यथार्थ क्या है ? छत्तीसगढ़ ने बीते ढ़ाई दशकों में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। आधारभूत क्षेत्रों में देश के कई प्रदेशों से हम बहुत बेहतर कर पा रहे हैं यह अहसास उत्साहजनक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार जैसे प्रमुख पैमानों में राज्य की उपलब्धियों को मजबूत आधार देती है विद्युत ऊर्जा। प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र का विकास सभी को चमत्कृत और उज्ज्वल भविष्य का विश्वास दिलाता है।

सफर में कई मील के पत्थर

राज्य गठन उपरांत ढाई दशक में ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति की यात्रा में कई मील के पत्थर स्थापित हुए हैं। इस दौरान राज्य में 300 प्रतिशत विद्युत उपभोक्ता तो बढ़े ही पर बढ़ती संख्या के साथ गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करना विशेष उपलब्धि से कम नहीं। महज 25 वर्षों में छ्त्तीसगढ़ में 5 गुना वृद्धि के साथ आज 30,000 मेगावॉट की उत्पादन क्षमता प्राप्त कर ली गई है। विद्युत की अधिकतम मांग 500 प्रतिशत बढ़कर 7000 मेगावॉट के आँकड़े को पार कर आगे निकल चुकी है। 800 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 6 लाख स्थाई कृषि पम्प हों या औद्योगिक उपभोक्ताओं में ढाई गुना बढ़ोतरी के साथ 41 हजार औद्योगिक इकाइयाँ, सभी राज्य के विकास को आधार प्रदान कर रहे हैं। 2211 यूनिट खपत के साथ प्रति व्यक्ति विद्युत खपत के मामले में पूरे देश के पाँच प्रमुख राज्यों में छ्त्तीसगढ़ शामिल है जो गौरव की बात है और साथ ही ये आँकड़े भविष्य की प्रगति और समृद्धि के लिए हमें आश्वस्त भी करते हैं।

विकसित भारत के लक्ष्य के साथ कदमताल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना में ऊर्जा क्षेत्र की सबसे अहम भूमिका है और ऐसे में अगले तीन दशक की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करना व्यापक कार्ययोजना से ही संभव है। सच तो यह है कि स्थापना के 25 वें वर्ष में जिस लक्ष्य को लेकर हम आगे बढ़ेंगे वो हमारी स्थापना के 50 वें वर्ष को अधिक सुखमय और समृद्ध बनाने का काम करेगा। देश में विद्युत की खपत अगले दस वर्षों तक लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और वर्ष 2047 में देश में अधिकतम मांग 750 गीगावॉट तक जा पहुंचेगी। ऐसे में मिशन मोड पर विद्युत ऊर्जा उत्पादन की आवश्यकता होगी जो वर्तमान में 270 गीगावॉट है। ताप विद्युत उत्पादन की सीमाओं को समझते हुए तथा शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए वर्ष 2070 के लक्ष्य के बीच नवीकरणीय ऊर्जा समेत अन्य विकल्पों पर देशभर में तेजी से काम किया जा रहा है। ऊर्जा उत्पादन की संभावनाओं के बीच देश की निगाह छ्त्तीसगढ़ की ओर टिकी हुई है। वर्तमान में छ्त्तीसगढ़ में विद्युत उत्पादन क्षमता 30 हजार मेगावॉट है। ऊर्जा उत्पादन की नई पारी में ताप के साथ हरित ऊर्जा को महत्व दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ ने विद्युत विकास की ऐसी रूपरेखा तैयार की है जिससे ऊर्जा की निरंतरता बनी रहे। राज्य बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ ऊर्जा समृद्धि प्राप्त करने की इस दिशा में बढ़ चुका है। इसके तहत इसी वर्ष तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश को आमंत्रित करने में पहली सफलता अर्जित की गई । आने वाले एक दशक में प्रदेश में 31 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

ऊर्जा के साथ रोजगार भी

राज्य की स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी (सीएसपीजीसीएल) , सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत उत्पादक नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) , टिहरी हाइडल पॉवर डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन(टीएचडीसी), सतलज जल विद्युत निगम लि.(एसजेवीएन) सहित निजी क्षेत्र की अडानी पॉवर लिमिटेड एवं अन्य बड़े निवेशकों ने ताप समेत पन बिजली के क्षेत्र में 17 हजार मेगावॉट विद्युत उत्पादन के लिए समझौता किया है। इस निवेश से प्रदेश के समग्र विकास को आधार मिलेगा। ऊर्जा उत्पादन इकाइयों के आने से औद्योगीकरण की संभावनाएं बढ़ती हैं और प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलते हैं।

परमाणु ,पन और सौर ऊर्जा में बढ़ी संभावना

गैर- जीवाश्म ईंधन के तौर पर सौर ऊर्जा,पन बिजली, पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर जोर दिया जा रहा है। इन ऊर्जा स्त्रोतों में नए प्रयोग भी किए जा रहे हैं जो अंततः विद्युत मांग की पूर्ति पर्यावरण को क्षति पहुँचाए बिना कर सके। प्रदेश में सरायपाली के पास यूरेनियम भंडार मिलने के बाद यहाँ परमाणु ऊर्जा उत्पादन की संभावनाओं पर विचार शुरू हुआ । अब एनटीपीसी के सहयोग से 4200 मेगावॉट विद्युत उत्पादन करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। यह प्रदेश में पहली परमाणु विद्युत उत्पादन इकाई होगी। इसके अलावा पन विद्युत परियोजनाओं को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है। पम्प स्टोरेज तकनीक की मदद से 7500 मेगावॉट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य है। सौर ऊर्जा सबसे सुलभ विदयुत विकल्प है। ऐसे में इसे बड़े उत्पादन संयंत्रों तक सीमित न रखकर आम उपभोक्ता को विदयुत उत्पादक बनाने की योजना केन्द्र सरकार ने चलाई है। महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को और अधिक आकर्षक बनाते हुए केन्द्र के साथ राज्य सरकार भी अब वित्तीय मदद पहुँचाकर विद्युत उत्पादन में आम लोगों की भूमिका बढ़ाना चाह रही है।

मजबूत ऊर्जा अधोसंरचना पर बल

आज की बिजली की आवश्यकताओं को समझते हुए उत्पादित बिजली का समुचित पारेषण और वितरण सुनिश्चित करने के लिए पारेषण और वितरण क्षेत्र में भी राज्य बड़ा निवेश कर रही है। असल में पारेषण प्रणाली की मजबूती के बगैर विद्युत मांग की आपूर्ति का दबाव नहीं थामा जा सकता है। प्रदेश में आज 14 हजार 249 सर्किट किलोमीटर की अतिऊच्चदाब लाईने हैं जिसकी क्षमता 25 हजार 617 एमव्हीए है। अगले कुछ वर्षों में छ्त्तीसगढ़ में 1700 मेगावॉट अंतर राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क का विकास किया जाना है। इससे हमारे ताप विद्युत की निकासी को सुगम बनाया जा सकेगा।

गौरव का एहसास, दशकों का इतिहास

छ्त्तीसगढ़ में विद्युत ऊर्जा का इतिहास तो एक शताब्दी से कुछ ऊपर का है पर ऊर्जा की सार्वजनिक उपयोगिता, सुलभता और आमजन के जीवन को रोशन करने का इतिहास लगभग सात दशक में फैला है। एक प्रदेश के लिए 25 वर्षों की विकास यात्रा बहुत लंबी नहीं लेकिन उसकी दिशा तय करने में यह शुरूआती कालखण्ड सबसे महत्वपूर्ण है। विद्युत क्षेत्र में 25 वर्षों के इस कालखण्ड में जो विकास हुआ है उसे हम अपने स्वर्ण काल की तैयारी के रूप में दर्ज कर सकते हैं। **यह निजी विचार है।**

जिस गांव में अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री के मामले में पुलिस का अटैक हुआ था उसी गांव के लोगों ने ली शराब न बनाने की शपथ

जिस गांव में अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री के मामले में पुलिस का अटैक हुआ था उसी गांव के लोगों ने ली शराब न बनाने की शपथ

जांजगीर चांपा / थाना पामगढ़ क्षेत्र के ग्राम सेमरिया गांव में आज दिनांक को जिले के *पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय द्वक्क* स्वयं तथा स्ष्ठह्रक्क अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी, क्षेत्र के जनपद सदस्य रामचरण पाल, श्रवण गोड, सबरिया समाज के गणमान्य नागरिक पहुंचे। जहां सबरीया समाज के लोगों का मीटिंग लिया। कुछ दिन पहले सबरीया समाज के लोगों द्वारा सड़कों को जानबूझ कर खराब कर देते थे ताकि पुलिस वाले यहां शराब पकड़ने के लिए न आवे। फिर भी पुलिस अधीक्षक द्वारा सबरीया समाज के लोगों को मुख्यधारा में लाने एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक को पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वरोजगार की ओर बढ़ने, उसके बीच के लोगों को बिहान कार्यक्रम में भी जुड़वाया गया है जो गेंदा की खेती, फाइनल, डिटर्जेंट, मशरूम की खेती का प्रशिक्षण दिया गया है। महुआ शराब बनाना पूर्णतः बंद करने के संबंध में चर्चा हुई। आगामी 05 तारीख को पामगढ़ के सामुदायिक भवन में स्वरोजगार के लिए परीक्षण का कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें आस पास के लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

खास खबर

कोरबा के चौंक-चौराहों पर लगे होर्डिंग्स-फ्लैक्स निगम ने जब्त किया

कोरबा । नगर के चैक-चैराहों पर अवैध रूप से लगे होर्डिंग्स-फ्लैक्स के खिलाफनगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने निकालकर जब्त किया है। उक्त कार्यवाही पश्चात राहगीरों को राहत मिली है, अब चैराहों पर सिग्नल नजर आने लगा है।

उल्लेखनीय हैं की त्यौहारों के आगमन, धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन सहित मंत्री व राजनीतिक दल के प्रमुख पदाधिकारियों का जन्मदिवस के लिए शहर में चैक-चैराहों पर अवैध रूप से होर्डिंग्स-फ्लैक्स लगाया जा रहा था। शुभकामना संदेश के लिए चैराहों पर इस तरह से होर्डिंग्स-फ्लैक्स लगाए जा रहे थे कि राहगीरों को ट्रैफिक सिग्नल के बजाए वही नजर आएं। ऐसी मनमानी के कारण राहगीरों को ट्रैफिक सिग्नल नजर नहीं आता था। वहीं चैराहों पर दूसरी दिशा से आ रहे वाहनों का भी पता नहीं चलता था। इसकी वजह से राहगीर परेशान हो रहे थे। वहीं दूसरी ओर इन होर्डिंग्स और फ्लैक्स के कारण सड़क से गुजरने वालों पर खतरा भी मंडरा रहा था।

टीचर ने ट्यूशन के बहाने स्टूडेंट से की छेड़छाड़

कोरबा । कोरबा जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक निजी शिक्षक पर ट्यूशन के बहाने सातवीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। छात्रा की शिकायत के बाद परिजनों ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

यह घटना खरमोरा कॉलोनी इलाके की है। बताया गया कि कक्षा सातवीं में पढ़ने वाली 13 वर्षीय छात्रा रोज की तरह ट्यूशन पढ़ने गई थी। पढ़ाई खत्म होने के बाद शिक्षक ने अन्य बच्चों को घर भेज दिया और छात्रा को यह कहकर रोक लिया कि उसे कुछ समझाना है। एकांत का फायदा उठाकर शिक्षक ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की।

पार्षदपति पर छात्र की पिटाई का आरोप, एफआईआर दर्ज

कोरबा। शहर के दादर बस्ती में वार्ड क्रमांक 34 के पार्षद पति विकास चैहान पर एक 14 वर्षीय छात्र की पिटाई का आरोप लगा है। मामला मानिकपुर चैकी क्षेत्र का है। पीड़ित परिजनों का कहना है कि विकास चैहान ने शराब के नशे में छात्र को बेरहमी से पीटा।

जानकारी के अनुसार, सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र अपनी एक्टिवा से रिश्तेदार के घर जा रहा था, तभी पार्षद पति और उनके दो साथी नशे की हालत में पहुंचे और कथित रूप से उसे ठोकर मारने के बाद लात-घूंसों से पीटा। घटना के बाद परिजन ने मानिकपुर चैकी में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल :

फरसाबहार में खुलेगा सत्यसाई मातृत्व शिशु अस्पताल

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल : फरसाबहार में खुलेगा सत्यसाईं मातृत्व शिशु अस्पताल

पांच एकड़ भूमि चिन्हांकित, जशपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए बड़ी सौगात

रायपुर,

पांच एकड़ भूमि चिन्हांकित, जशपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाएं लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। अब फरसाबहार क्षेत्र में सत्यसाईं मातृत्व शिशु चिकित्सालय एवं अत्याधुनिक बाल हृदय रोग उपचार अस्पताल की स्थापना की जा रही है। यह अस्पताल देश की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था सत्यसाईं ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया जाएगा।

अस्पताल के लिए जिला प्रशासन ने पांच एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। स्थायी भवन निर्माण पूरा होने तक ट्रस्ट द्वारा फरसाबहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अस्थायी रूप से अस्पताल का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण पहल की घोषणा फरसाबहार में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प शिविर के दौरान की।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि रायपुर स्थित सत्यसाईं अस्पताल पूरे देश में अपने निःस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए जाना जाता है, जहां बच्चों के हृदय रोग का उपचार पूरी तरह निःशुल्क किया जाता है, यहां तक कि अस्पताल में कैश काउंटर तक नहीं है। अब तक वहां 40 हजार से अधिक बच्चों का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस अस्पताल की सेवा भावना से प्रभावित हैं और शीघ्र ही इसका निरीक्षण करने वाले हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उन्होंने ट्रस्ट से जशपुर जैसे आदिवासी बहुल जिले में स्वास्थ्य सेवा विस्तार का आग्रह किया था, जिसके परिणामस्वरूप ट्रस्ट ने फरसाबहार में अस्पताल स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह अस्पताल जिले के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसके शुरू होने से जशपुर सहित ओडिशा और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों को भी निःशुल्क और उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार – मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिसंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से जशपुर जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं–

कुनकुरी मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री के पहले बजट में घोषित, जिले का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। प्रथम चरण में 220 बिस्तरों वाले अस्पताल के लिए ?32 करोड़ स्वीकृत, 90 पदों की स्वीकृति, चराईडांड में भूमि चिन्हांकित, अस्थायी रूप से राजा देवशरण जिला चिकित्सालय से संचालन की प्रक्रिया जारी।

जगदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय, जशपुरनगर : ?35 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर, सीटी स्कैन व अत्याधुनिक आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

गिनाबहार मातृ-शिशु अस्पताल (स्ष्ट॥) : गर्भवती माताओं व नवजात शिशुओं के लिए उच्च स्तरीय केंद्र निर्माणाधीन।

नर्सिंग एवं फिजियोथेरेपी कॉलेज : स्वास्थ्य शिक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम।

कुनकुरी डायलिसिस केंद्र : किडनी रोगियों को निःशुल्क सेवा उपलब्ध।

स्वास्थ्य ढांचे में उन्नयन : 6 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेड किया गया, एंबुलेंसों की संख्या बढ़ाई गई और चिकित्सा स्टाफकी नियुक्ति से सेवा पहुंच में तेजी आई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार जशपुर को प्रदेश का स्वास्थ्य सेवा मॉडल जिला बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सत्यसाईं ट्रस्ट के अस्पताल की स्थापना से अब आदिवासी अंचल में भी विश्वस्तरीय, निःशुल्क और सेवा भावना से युक्त चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी।

कोरबा : राष्ट्रपति पुरस्कृत एनसीसी कैडेट लखनी सम्मानित

कोरबा, संवाददाता।

शिक्षा मनुष्य के कौशल विकास के लिए अत्यंत आवश्यक होता है और उसके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होता है। वहीं संस्कार मनुष्य को चरित्रवान बनाने के लिए आधार रूप में कार्य करता है। उक्त उद्गार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरवाद्वारी में आयोजित कैरियर निर्माण एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में प्रोफेसर प्यारेलाल आदिले प्राचार्य जय बूढ़ादेव कला एवं विज्ञान महाविद्यालय कटघोरा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि सुश्री लखनी साहू राष्ट्रपति पुरस्कृत मनोज कुमार गुप्ता एवं अन्य समस्त अतिथियों का भव्यतापूर्ण स्वागत कर्मा नृतक दल के द्वारा किया गया।

यह कार्यक्रम विद्यालय परिवार एवं रामपुर विधानसभा के विधायक फूल सिंह राठिया के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्या की दायिनी मां सरस्वती के तेल चित्र पर समस्त अतिथियों ने पूजा-अर्चना किया और फूल माला चढ़ाया।

अतिथियों के स्वागत में क्रमशरू मुख्य अतिथि सहित समस्त अतिथियों का स्वागत क्रमशरू सतीश कुमार गुप्ता प्राचार्य,व्याख्याता उत्तम कुमार तिवारी,कृष्णा लाल साहू, श्रीमती सुधारानी राठौर,श्रीमती जयंती राठीया,गजाधर सिंह कंवर,सतीश कुमार धुरी,ओम प्रकाश साहू,जोहर सिंह धुर्वे, रामेश्वर राठीया एवं प्रिया कोरवा ने किया। अन्य अतिथियों का स्वागत क्रमशरू छात्र-छात्राओं में प्रेमलता,रश्मि,पूनम,विनीता, माहेश्वरी,राजेश्वरी, सुरेंद्र, वंदना, रोशनी, यशवंत ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच प्रमिला बाई राठिया,राजेंद्र कुमार राठिया अध्यक्ष एसएमडीसी,संतराम राठिया,परमेश्वर राठिया भूतपूर्व सरपंच,दुल्ली सिंह जगत प्रधान पाठक एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कृत सुश्री लखनी साहू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दृ विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के लिए भरपूर प्रयास करना चाहिए और विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम में जुडकर अपना व्यक्तित्व विकास करना चाहिए। इन कार्यों में कठिनाइयां तो आती है किंतु सतत रूप से मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। समस्त विद्यार्थियों को अपने जीवन में कोई न कोई सपना अवश्य देखनी चाहिए और उसे पूरा करने हेतु भरसक प्रयास करना चाहिए। अपने उद्बोधन में डॉ.मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि- जो विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का भरपूर उपयोग करता है वह निश्चित तौर पर सफलता अर्जित करता है और मैं ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए सदैव तत्पर पर रहूंगा।

गौवंश पर डाक टिकटों की प्रदर्शनी, मिली जानकारी

कोरबा, संवाददाता।

शहर के अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में गौवंश पर जारी डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई गई। आज सुबह एनसीसी के एम्बेस्डर विद्यार्थी ने इसका शुभारंभ किया। टिकटों का संग्रहण करने वाले राजनांदगांव के शेषकरण जैन व शिक्षण समिति के पदाधिकारी इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज झा सहित प्राध्यापकों और छात्रों की उपस्थिति में प्रदर्शनी शुरु हुई। भारत सरकार के डाक-तार विभाग द्वारा अलग-अलग वर्षों में गौवंश पर केंद्रित डाक टिकटें जारी की गई। गौ संरक्षण, गौ संवर्धन और जीवन के भिन्न-भिन्न क्षेत्र में इनसे होने वाले लाभ को इंगित किया गया। इसके माध्यम से यह दिखाने का प्रयास किया गया कि मानव के लिए गौवंश क्यों जरूरी है और उसके पालन व सेवा से शारीरिक और मानसिक विकास में क्या मदद मिलती है। शेषकरण जैन ने अब तक छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित अनेक राज्यों में डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई और अपनी अभिरूचि की अभिव्यक्ति के साथ गौवंश की उपयोगिता से विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को अवगत कराया है। उनका कहना है कि भारत की अर्वाचीन संस्कृति से लेकर अब तक गौवंश बड़े महत्व का विषय है। उन्होंने आह्वान किया कि डाक टिकटों को देखने के साथ लोगों की मानसिकता में गहराई से यह विषय प्रवेश करना चाहिए। आज शाम तक प्रदर्शनी अवलोकन किया जा सकता है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय के छात्रों को पुलिस ने साइबर अपराध विषय पर दी जानकारी

कोरबा, । बालकोनगर के सेक्टर-2 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में बुधवार को साइबर जागरूकता अभियान पर पुलिस ने काम किया। यहां के विद्यार्थियों को साइबर अपराध विषय पर जानकारी दी गई और इनसे बचने के लिए सतर्क किया गया।

बालकोनगर पुलिस और साइबर सेल की ओर से एक अभियान को हाथ में लिया गया है। इसके अंतर्गत पुलिस कर्मियों ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जनसामान्य को जागरूक करना शुरू किया है। बुधवार को एक टीम सेजस विद्यालय पहुंची। उसके द्वारा यहां विद्यार्थियों से संवाद किया गया। कहा गया कि आवश्यक न हो तो मोबाइल का उपयोग और उसमें भी सोशल मीडिया से दूरी बनाए। बहुत सारे अपराध इन पर आने वाले कंटेंट और संदेहास्पद लिंक के कारण हो रहे है। बाद में लोगों को लेने के देने पड़ जाते है। साइबर फॉड से जुड़ी घटनाओं पर भी पुलिस ने बातचीत की। विद्यार्थियों को कहा गया कि अगर वे हर समय चैकन्ने रहेंगे तो ऐसी घटनाओं से बच सकते है। बालको थाना के एएसआई अजय सिंह, साइबर सेल प्रभारी अजय सोनवानी और अन्य पुलिस कर्मियों ने अभियान को क्रियान्वित किया।

देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत, नृत्य और प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया

संवाददाता। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा संचालित सुधा ओपन स्कूल, अमसेनी में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद गुप्ता, भूतपूर्व प्रिंसिपल, केंद्रीय विद्यालय रहे। बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत, नृत्य और प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सुधा सोसाइटी के चेयरमैन जी. के. भटनागर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मिसेज भारती और मिस खुशी का विशेष योगदान रहा।

सिरपुर : संस्कृति, इतिहास और अध्यात्म का संगम जहां इतिहास बोलता है

विशेष लेख : सिरपुर : संस्कृति, इतिहास और अध्यात्म का संगम जहां इतिहास बोलता है, संस्कृति मुस्कुराती है और अध्यात्म सांस लेता है

संस्कृति मुस्कुराती है और अध्यात्म सांस लेता है

रायपुर, छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित सिरपुर (श्रीपुर) केवल एक पुरातात्त्विक स्थल ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों का जीवंत प्रतीक है। यह नगर महान सम्राट महाशिवगुप्त बालार्जुन की राजधानी रहा है और अपनी स्थापत्य कला, बौद्ध धरोहरों तथा प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।

संस्कृति मुस्कुराती है और अध्यात्म सांस लेता है

सिरपुर का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों और अभिलेखों में मिलता है। यहाँ भगवान शिव, विष्णु, बुद्ध और जैन धर्म के उपासना स्थलों के अवशेष मिले हैं। 7वीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी सिरपुर का उल्लेख अपनी यात्राओं में किया है, जिससे इसकी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति सिद्ध होती है। यह नगर धार्मिक सहिष्णुता और कला का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। यहाँ 22 शिव मंदिर, 5 विष्णु मंदिर, 3 जैन विहार और एक विशाल बौद्ध विहार के अवशेष प्राप्त हुए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा सिरपुर में लगातार संरक्षण और मरम्मत का कार्य किया जा रहा है जिससे इसकी ऐतिहासिक गरिमा बनी रहे। डिजिटल टूर, क्यूआर कोड आधारित जानकारी और थ्रीडी गाइडेंस सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग हो रहा है।

संस्कृति मुस्कुराती है और अध्यात्म सांस लेता है

सिरपुर बौद्ध, जैन और हिन्दू स्थापत्य कला का त्रिवेणी संगम है। यहां स्थित लक्ष्मण मंदिर भारत का पहला ईंटों से निर्मित मंदिर है जो वास्तुकला का अनुपम उदाहरण है। आनंदप्रभु कुटीर विहार बौद्ध भिक्षुओं का प्रमुख केंद्र है, जहाँ चीन से आए भिक्षु रह चुके हैं। गंधेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित मंदिर है, जिसमें अनेक मूर्तियाँ और सांस्कृतिक प्रतीक हैं। 1872 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा सिरपुर के अवशेषों की खोज की गई थी। इसके बाद यहाँ अनेक उत्खनन कार्य हुए, जिनमें बुद्ध, विष्णु, शिव और जैन परंपराओं के असंख्य साक्ष्य मिले। चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के विद्वान भी सिरपुर को एशिया की बौद्ध धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान मानते हैं।

हर वर्ष आयोजित होने वाला सिरपुर महोत्सव छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। इसमें देश-विदेश के कलाकार शास्त्रीय नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियाँ देते हैं। यहाँ ईको-ट्रेल, हस्तशिल्प बिक्री केंद्र और स्थानीय भोजनालयों की योजनाएँ चलाई जा रही हैं, ताकि स्थानीय समुदाय को रोजगार मिले और पर्यटन को बढ़ावा मिले। विद्यार्थियों के लिए सिरपुर की ऐतिहासिक धरोहरों पर आधारित पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है। साय सरकार ने सिरपुर को विश्व पर्यटन मानचित्र पर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। विजन 2047 के तहत आधुनिक बुनियादी ढांचा, सड़क, प्रकाश व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पर्यटक कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। सिरपुर की पुरातात्त्विक संरचनाओं को संरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीकें अपनाई जा रही हैं। सिरपुर केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। यहाँ के मंदिर, विहार, मूर्तियाँ और जीवंत परंपराएँ हमें यह सिखाती हैं कि भारत की संस्कृति, सहिष्णुता, कला और ज्ञान का संगम है। सिरपुर सचमुच वह स्थान है जहाँ इतिहास बोलता है, संस्कृति मुस्कुराती है और अध्यात्म सांस लेता है।

सीएम ने ईब व्यपवर्तन योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए दी 37 करोड़ 9 लाख रुपए की मंजूरी

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में एक और बड़ा कदम उठाते हुए जशपुर जिले के विकासखंड कुनकुरी की ईंब व्यपवर्तन योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के लिए ?37 करोड़ 09 लाख 63 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्वीकृति से कुनकुरी क्षेत्र के हजारों किसानों को सीधे लाभ मिलेगा।योजना के पूर्ण होने के बाद 3323 हेक्टेयर के विरुद्ध 1453 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में भी इजाफा होगा।कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ईब व्यपवर्तन योजना के जीर्णोद्धार से कृषि योग्य भूमि की सिंचाई क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को दिलाई गई राष्ट्रीय एकता की शपथ

धमतरी । देश एवं प्रदेश के साथ ही जिले में भी स्व. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती आज 31 अक्टूबर शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। जिले के शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालयों व संस्थाओं में एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती रीता यादव ने कलेक्टोरेट स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियो को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। अपर कलेक्टर द्वारा दिलाई गई शपथ को अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोहराया।इस मौके पर अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी, डिप्टी कलेक्टर, कलेक्टोरेट, जनसंपर्क, खाद्य, कृषि, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की सामुदायिक शपथ ग्रहण की।

रायपुर में विभा विज्ञान क्लब के लिए 101 विज्ञान शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित

रायपुर। प्रोजेक्ट जय विज्ञान के अंतर्गत आज जे.आर. दानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कालीबाड़ी में जिला स्तरीय विभा विज्ञान क्लब संचालन के लिए जिले के 101 विज्ञान व्याख्याताओं एवं शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसके माध्यम से शिक्षक विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार और राष्ट्रीय निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करती है। कार्यक्रम में विज्ञान भारती संस्थान एवं शिक्षा विभाग के प्रमुख विशेषज्ञों की उपस्थिति रही, जिसमें मुख्य रूप से पाणिनि तैलंग (राष्ट्रीय समन्वयक, विभा विज्ञान क्लब), डॉ. संजीव पाटनकर (राष्ट्रीय समन्वयक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफइंडिया), डॉ. स्वर्णालता सराफ, श्री गौरव वर्मा (एससीईआरटी रायपुर), जगदीश सिंह, सुबोध कुमार तिवारी एवं अजय भोई एवं विद्यालय प्रबंधन से हितेश दीवान और के. एस. पटले उपस्थित रहे। विज्ञान भारती द्वारा संचालित यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आलोचनात्मक सोच, पर्यावरण जागरूकता एवं भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान के प्रति समझ विकसित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है।

पेंशनरों के लिए बड़ी सौगात, अब घर बैठे बना सकेंगे जीवन प्रमाण पत्र

रायपुर। पेंशनरों के लिए राहत और सुविधा की बड़ी सौगात मिली है। अब उन्हें जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बैंकों या कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी के विशेष प्रयासों से प्रदेश के पेंशनरों के लिए यह डिजिटल सुविधा प्रारंभ की गई है। केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त सहयोग से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 की शुरुआत की जा रही है, जिसके अंतर्गत पेंशनर अपने घर बैठे ही मोबाइल ऐप के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र बना सकेंगे। जिला प्रशासन के निर्देशन में रायगढ़ जिले में इस अभियान के क्रियान्वयन की तैयारी पूरी कर ली गई है और जिले के सभी पेंशनरों तक यह सुविधा सुगमता से पहुंचाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। पेंशन एवं भविष्य निधि संचालनालय, रायपुर द्वारा प्रारंभ इस सुविधा के अंतर्गत पेंशनर अपने एंड्रॉइड मोबाइल फोन में आधार फेस आरडीऔर जीवन प्रमाण फेस ऐप डाउनलोड कर, चेहरे की पहचान के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बना सकेंगे। यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित, सरल और पारदर्शी है, जिससे पेंशनरों को अपने घर के आरामदायक वातावरण में ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा मिलेगी। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 पूरे देश में 1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक संचालित होगा। इस अवधि में रायगढ़ जिले में भी विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पेंशनरों को इसका लाभ मिल सके। अभियान के दौरान रायगढ़, खरसिया और एडीबी रायगढ़ सहित जिले के सात प्रमुख स्थानों पर जीवन प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में स्टेट बैंक ऑफइंडिया और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की टीमें पेंशनरों को प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही जिन पेंशनरों को मोबाइल ऐप का उपयोग करने में कठिनाई होती है, वे अपने नजदीकी बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी प्रमाण पत्र बनवा सकेंगे। राज्य शासन ने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 80 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले पेंशनरों को अक्टूबर माह से ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति दी है। वहीं, जो पेंशनर स्वास्थ्य कारणों या अन्य परिस्थितियों के कारण घर से बाहर नहीं जा सकते, उनके लिए होम विजिट सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिसके तहत बैंक या पोस्ट ऑफिस की टीम उनके घर पहुंचकर जीवन प्रमाण पत्र तैयार करेगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिलेभर में उमड़ा देशभक्ति का जज्बा

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने ली एकता की शपथ

मनेन्द्रगढ़। भारत के लौह पुरुष और स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जिलेभर में राष्ट्रीय एकता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रशासन, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, नागरिक तथा विद्यार्थी एक स्वर में देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के संकल्प के साथ आगे आए।

कलेक्टर ने दिलाई एकता की शपथ-

मुख्य समारोह कलेक्टोरेट परिसर स्थित कलेक्टर न्यायालय कक्ष में आयोजित हुआ, जहां कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने जिला कार्यालय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एकीकृत कर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी थी।

कलेक्टर ने कहा एकता केवल शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए समाज में सद्भाव, भाईचारे और सहयोग की भावना बनाए रखनी चाहिए।

विभागों ने दिखाई सक्रिय सहभागिता-

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिले के सभी प्रमुख विभागों जिला पंचायत, नगर निगम, राजस्व, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, वन, आदिवासी विकास एवं कृषि विभाग में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस लाइन, चिरमिरी में पुलिस अधीक्षक ने जवानों को एकता शपथ दिलाई। वहीं जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने ग्राम स्तर पर एकता

शपथ लेकर राष्ट्रीय एकजुटता के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की।

शैक्षणिक संस्थानों में उत्सव जैसा माहौल- जिले के विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी एकता दिवस पर उत्सवपूर्ण वातावरण रहा। विद्यार्थियों ने रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) में भाग लेकर सरदार पटेल को नमन किया। शिक्षकों ने उनके जीवन, संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डाला। एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में निबंध लेखन, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

नगर निगम और पंचायत स्तर पर भी आयोजन: नगर निगम मनेन्द्रगढ़ और जनपद पंचायतों में भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुए, जहाँ जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया। ग्राम पंचायतों में सचिवों, रोजगार सहायकों और पंच-सरपंचों ने भी भाग लेकर देशभक्ति का परिचय दिया।

एकता और सद्भाव का संदेश-

दिनभर जिले में देशभक्ति का वातावरण व्याप्त रहा। सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर भारत की विविधता में निहित एकता का संदेश गूंजता रहा। कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के आदर्शों और योगदान को याद करते हुए सभी ने यह संकल्प लिया कि वे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार - प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ के तहत शासकीय कर्मचारी बच्चों संग साझा कर रहें खुशियाँ

रायपुर । जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही खुशियों को बाँटन है और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में सोशल वर्कर नेहा सोनी ने आंगनबाड़ी केंद्र लाभांडी एवं सहायक शिक्षक सोमप्रकाश तारक ने प्राथमिक शाला परसदा (सोंठ) में अपने जन्मदिन के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा जन्मदिन की पूर्व संध्या पर 12 कर्मचारियों को ई-कार्ड और एसएमएस के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कर उन्हें सामाजिक सरोकार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर में किया रेडी-टू-ईट इकाई का उद्घाटन

बस्तर में महिलाओं को मिली रेडी-टू-ईट पोषण आहार निर्माण की जिम्मेदारी

रायपुर। राज्य शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पहल कर उन्हें रेडी-टू-ईट निर्माण का दायित्व सौंपा गया है। जो महिलाओं के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगी। गुरुवार को उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने तुरेनार स्थित ग्रामीण औद्योगिक पार्क परिसर में प्रगति महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित रेडी-टू-ईट इकाई का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यहां उत्पादित पौष्टिक भोजन 409 आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचेगा, जहां प्रति माह 70 से 75 टन की खपत होगी। इससे बच्चों के पोषण के साथ-साथ महिला स्व सहायता समूहों को रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन मिलेगा। इकाई की मशीनरी की कुल लागत लगभग 55 लाख रुपये है, जिसमें 35 प्रतिशत अनुदान प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत उद्योग विभाग से प्राप्त हुआ। शेष राशि जीवन ज्योति क्लस्टर संगठन के माध्यम से बैंक लोन से जुटाई गई है। इकाई की उत्पादन क्षमता प्रति घंटे 5 क्विंटल है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्तमान शासन ने बच्चों एवं महिलाओं के सुपोषण को मद्देनजर रखते हुए फिर से महिला शक्ति के हाथों पोषण आहार तैयार करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है। छत्तीसगढ़ सरकार महिला स्व सहायता समूहों को तकनीकी, वित्तीय और बाजार सहायता देकर रेडी-टू-ईट उद्योग से जोड़ रही है। यह बस्तर की महिलाओं को आर्थिक सक्षमता और सशक्तता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

इस उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक डॉ. सुभाऊ कश्यप, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजकुमार देवांगन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

पीएम सूर्यघर योजना से नाथूकोंहा गाँव होगा रोशन, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने किया ग्रामीणों से संवाद

धमतरी। धमतरी जिले के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहरों और विविध जैविक संसाधनों से परिपूर्ण नगरी विकासखंड के वनाच्छादित पर्वतीय अंचल में स्थित मुरुम सिल्ली बाँध (बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव बाँध), जिसे स्थानीय लोग माडम सिल्ली या मोर्डेम सिल्ली नाम से भी जानते हैं, के तट पर बसे नाथूकोंहा गाँव की तकदीर अब रोशनी से जगमगाने जा रही है। यह गाँव जल्द ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा से प्रकाशित होगा। नाथूकोंहा गाँव में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के क्रियान्वयन से यह दुर्गम वनांचल अब विकास की मुख्यधारा से और अधिक जुड़ सकेगा। प्रशासन द्वारा इस पहल से ग्राम के सभी 27 आदिवासी परिवारों के घरों में सौर ऊर्जा के माध्यम से उजाला फैलने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा रहा है। शुक्रवार को कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ग्राम नाथूकोंहा पहुँचे और ग्रामीणों के बीच पहुँचकर प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण को अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आएगी और ग्रामीण आत्मनिर्भर बन सकेंगे। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने कलेक्टर की बातें बड़े ध्यान से सुनीं। इस अवसर पर विद्युत विभाग के अधिकारियों ने योजना की प्रक्रिया, बैंक ऋण, सब्सिडी तथा संभावित बचत से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। चर्चा के पश्चात सभी ग्रामीणों ने एकमत होकर अपने घरों में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने पर सहमति व्यक्त की। कलेक्टर मिश्रा ने मौके पर महिलाओं से भी संवाद किया और उनकी दैनिक समस्याओं को सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि घाटी सड़क का निर्माण, राशन भंडारण के लिए अगर भवन आदि उपलब्ध हो तो सरकारी राशन दुकान की सुविधा उपलब्ध करादी जाएगी 7 ताकि आप लोगों को पास करेली गांव राशन लेने नहीं जाना पड़ेगा ।कलेक्टर ने बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र की स्थापना शीघ्र की जाएगी। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के उपसंचालक को ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर जैसी योजनाएं केवल बिजली उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम हैं। धमतरी जिले के प्रत्येक पात्र परिवार को इस योजना से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तुरेनार के ग्रोथ सेंटर का किया निरीक्षण

बस्तर की महिलाओं को सशक्त बनाएगा ग्रोथ सेंटर, स्थानीय उत्पादों से बनेगी नई पहचान - उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर । छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को बस्तर जिले के ग्राम तुरेनार में स्थित ग्रामीण औद्योगिक केंद्र में संचालित ग्रोथ सेंटर का निरीक्षण किया। यहां महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे उत्पादों के प्रसंस्करण का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि मूल्यवर्धन हमारा मूल उद्देश्य है। बस्तर के स्थानीय उत्पादों को बाजार में बेहतर कीमत दिलाकर हम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। प्रभारी मंत्री शर्मा ने ग्रोथ सेंटर में चल रही गतिविधियों का

बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि वर्तमान में केंद्र में हल्दी, मिर्च और धनिया का प्रसंस्करण हो रहा है जल्द ही तीखुर का प्रसंस्करण भी शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बस्तर की विशिष्ट पहचान बेलमेटल के भी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने महिला समूह की दीदीयों से चर्चा भी की। जहां महिला समूह की सदस्यों ने उन्हें मसालों की खरीदी, प्रसंस्करण तथा बिक्री प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी के उत्कृष्ट कार्य और मेहनत के लिए सभी की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि बस्तर में प्रचुरता से उपलब्ध स्थानीय उत्पादों के प्रसंस्करण पर कार्य करें, जिससे आय में वृद्धि के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति प्राप्त होगी। भविष्य की योजनाओं को गति देते हुए उन्होंने केंद्र में इमली प्रसंस्करण इकाई को जल्द स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को इमली का बीज, तीखुर की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए इनके उत्पादक क्षेत्रों की मैपिंग कर महिला समूहों के माध्यम से संग्रहण करवाकर प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग कराने को कहा। जिससे मूल्यवर्धन हो और महिलाओं को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने महिला समूहों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने और महुआ से लड्डू, कुकीज़, काजू एवं रागी प्रीमिक्स तथा अन्य स्थानीय उत्पादित उत्पादों का प्रसंस्करण कराकर मूल्यवर्धन कराने को कहा ताकि ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे रोजगार प्राप्त हो और बस्तर की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।

केन्द्रीय मंत्री ओराम ने जनजातीय संग्रहालय के लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजा

रायपुर। केन्द्रीय जनजातीय मामले के मंत्री जोएल ओराम ने आज शाम निर्माण स्थल पहुंच कर नवा रायपुर, अटल नगर मे छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेननियों के शौर्य गाथा की स्मृति में तैयार भव्य एवं आकर्षक शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह-संग्रहालय के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया। गौरतलब है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी राजयोत्सव के मौके पर 01 नवंबर को शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह-संग्रहालय का उदघाटन करेंगे। केन्द्रीय मंत्री ओराम ने इस दृष्टिकोण से सुरक्षा सहित अन्य अवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

छत्तीसगढ़ सरकार में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम और विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने इस दौरान केन्द्रीय मंत्री जोएल ओराम को छत्तीसगढ़ मे हुए जनजातीय विद्रोहों और स्थापित गैलरियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री ओराम ने जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं पर बने संग्रहालय का भी निरीक्षण किया । मंत्री नेताम ने ओराम को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनजाति के वर्ग के ऐतिहासिक घटनाओं और परंपराओं के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से इन संग्रहालय के निर्माण का बिडा उठाया है, जो बनकर तैयार है। छत्तीसगढ़ रजत जंयती वर्ष, राज्योत्सव के मौके पर 1 नवम्बर को प्रधानमंत्री मोदी के करकमलों से इस संग्रहालय का लोकार्पण होगा। केन्द्रीय मंत्री ओराम ने जनजाति नायक-नायिकाओं के वीरगाथाओं पर तैयार इस जीवंत संग्रहालय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक यह स्मारक सह-संग्रहालय लोगों के समर्पित होगा है और यह संग्रहालय नई पीढ़ियों को पुरखों की वीर गाथाओं को अवस्मरणीय बनाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)